भारत की राजपत्र The Gazette of India

WINDALLS A B CHINGLE

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खन्द 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखायरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा कारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा भ्रायोग

नई दिल्ली-110011 दिनाक 31 मई 1977

स० ए० 32013/3/76-प्रशा०-1—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनाक 7-5-1977 के प्रनुत्रम में भारतीय राजस्य सेवा (धायकर) के प्रधिकारी श्री एम० एस० थान्वी को, राष्ट्रपति द्वारा 9-5-1977 से 30-6-1977 तक की प्रति-रिक्त श्रवधि के लिए, श्रथवा श्रागामी धादेशो तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप मचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रणा०-1—सघ लोंक सेवा प्रायोग के, संबर्ग में स्थामी वैयक्तिक सहायवा (के० स० स्टें० से० का ग्रेड ग) श्री के० सुन्वरम को राष्ट्रपति द्वारा 25-5-1977 से 31-7-1977 तक 65 दिन की प्रविध के लिए, प्रथवा प्रागामी आदेशो तक, जो भी पहले हो उसी सवर्ग में पूर्णत, प्रस्थायी और तदर्थ प्राधार में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टें० से० का ग्रेड स) में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

विनांक 7 जून 1977

सं० ए० 32013/1/76-प्रकार -I — संघ लोक सेवा धायोग में केन्द्रीय सिवालय सेवा संवर्ग के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी और :श्रानिलेन्दु गुप्त को, राष्ट्रपति द्वारा 16-5-1977 से 80-6-1977 तक की धवधि के लिए, अथवा धागामी धादेशो तक, को भी पीक्से हो, उक्त सेवा के चयन ग्रेड मे उप सचिव के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्रा॰ ना॰ मुखर्जी धवर सचिव सघ लोक मेवा आयोग

नई दिल्बी, विनांक 22 जून 1977

सं॰ ए० 11013/2/74-प्रशा०-II- संघ लोक सेवा प्रायोग की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 25-3-1977 के अनुकम में सलाहकार, सघ लोक सेवा प्रायोग एतदद्वारा सघ लोक सेवा प्रायोग एतदद्वारा सघ लोक सेवा प्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के निम्न- लिखित स्थायी अनुभाग श्रिधकारियो/ सहायको को प्रायोग के क्यूर्याल्य में 1-6-1977 से दो मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा भागमी आदेशो तक, जो भी पहले हो, भनुभाग

अधिकारी (विशेष) के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन , रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं: ---

ऋम संख्या	नाम	के ं स ० से में पद	० के संवर्ग
 श्री बी० एस० श्री धार० एन श्री एस० श्री श्री एस० के० श्री जी० वी० 	० खुराना नेवासन स रोहा	मनुष्णाम् भनुष्णाप भनुष्णाप भनुष्णाप सहायक सहायक	कारी ग्रीधकारी ग्रीधकारी

उपर्युक्त श्रधिकारियों की नियुक्त श्रनुभाग श्रंधिकारीं (विशेष) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका वेतन समय समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० शा० सं • एफ० 10 (24) -ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में निहित शतीं के श्रनुसार विनियमित होगा।

प्रभातनाथ मुखर्जी, धवर सचिव कृते सलाहकार

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 जून 1977

सं० श्रो०-II-15/74-स्थापना/पसं-4 — राष्ट्रपति, भारतीय पुलिस सेवा के बिहार संवर्ग के श्रिधकारी, श्री एस० एम० घोष को जो इस समय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल बें पुलिस महा निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर है केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री घोष ने 1-6-77 के पूर्वाह्म में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पुलिस महानिरीक्षक एस॰ III, बिल्ली के पद का कार्यभार सौंप दिया तथा उसी दिन के पूर्वाह्म में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक के पद का कार्यभार सैंभाल लिया।

सी० चकावर्त, निषेत्रक महानिदेशालय केन्द्रीय दिखर्च पुलिस स्व

नई बिल्ली-11 0001, दिनांक 25 जून 1977

सं० ओ०-II-1046/76-स्थापना-महानिदेश केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दलं ने डाक्टर कोशी ऐयापन को, 18-6-1977 के पूर्वाह्न केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के क्य पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ०-II-1061/77-स्थापना—राष्ट्रपति शास्टर् मोहन चरण सेठी को अस्थायी रूप में आगामी आदेश आरी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस चल में जी० शी० भो० पेड-II (श्री० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर उनको छ-6-1977 पूर्वाह्र से नियुक्त करते हैं। सं० ओ०-II-1064/77—स्थापना—राष्ट्रपति डावटर्क् भूतभूषण को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस कल में जी० डी० ओ० ग्रेड-I (सहायक कर्माडेंट) के पद पर उनको 17-6-77 पूर्वाह्न से नियुक्त करते

सैं० भो०-II-1065/77-स्थापना—राष्ट्रपति डाक्टर नालत कुमार भीवातरी को मस्यायी रूप से महनामी बाहिन जारी होने तक े य रिजर्व पुलिस दल में औ० डी० घोँ० प्रेड-II (श्री॰ त॰ पी० / कम्पनी कमोडर) के पर्व पर उनको क0-8-72 पूर्वाह्र से निष्कत करते हैं।

विनोक 29 जून 77

ति को >-!!-1063/77-स्थापना—राष्ट्रपति डाक्टर सुरेश कुमार बागजी को अस्वाधी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० झो० ग्रेड-(डी॰ एस॰ पी०/कम्पनी कमोडर) के पद पर उनकी 14-8-1977 अपराक्ष से नियुक्त करते हैं।

> ए० के० बन्धोपाध्याय सहायक निवेशक प्रशासन

महानिरीक्षक का कार्यौलय केन्द्रीय भौग्रोगिक बुरका बल नई दिल्ली-24, दिमोक 16 जूम 1977

सं० ई• 38013(3)/2/77-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री एन० ती० सेन गुप्ता की तवर्ष धाधार पर के० श्री॰ सु० व० पूनिट हिल्दिया डॉक प्रोजेक्ट का स्थानापन्न रूप से सहायक कमार्डेट नियुक्त करते हैं श्रीर उन्होंने 9 मई, 1977 के पूर्वाह्न के उक्त पद का कार्यभार सम्भात लिया।

> ली॰ सिं॰ बिष्ट महानिरीक्षक

वित्त भंजालय धार्थिक कार्य विश्वाम बैंक नोट मुद्रणालय देवास, दिनांक 4 जून 1977

पत्नावली कं बी एन पी । इं । 8/एन ॰ 6---श्री एम । स्मिनारायन, स्थायो निरीक्षक नियन्त्रण जो कि बैंक मोट मुद्रणालय में दिनांक 4-6-76 से तदर्थ आधार पर स्थानापक उप-नियन्त्रण प्रक्षिकारी के रूप में कार्यरत थे का दिनांक 29 मई, 1977 के प्रपराह्म से निरीक्षक नियन्त्रण के पद पर प्रत्वावतीन किया जाता है।

पी० एस० शिवराम सहा प्रजन्धक भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 25 जून, 1977

सं० प्र० 1/2 (1)/V/ 1286—(1) महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण तथा विविध, नई दिल्ली श्री के० घार० खवा की दिल्ली विकास प्राधिकरण नई दिल्ली में । ह्य -विभाग सेवा काल के दौरान श्रवने कार्यालय में लेखा ग्रधिकारी सर्वर्ग में स्थाना- एक इस्प में 840-40-1000 द० रो०-40-1200 स्पयं के केतनमाम में एम० बी० घार० के श्रन्तगंत 30-4-77 (पूजीक्ष) के श्रमले घादेश तक श्रनेतिम रूप से सहवं नियुक्त करते हैं।

(2) महा खाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई चिल्ली श्री एम० एल० सलवान की भी उनकी बदरपुर वर्णल योजना में प्रति नियुक्ति के वौरान, अपने कार्यालय में लेखाविकारी के रूप में स्थानापन्न रूप में 840-40-1000 द० रो०-40-1200 द० के वेतनमान में एन० बी० भार० के भन्तार्गत 1-6-77 (पूर्वाह्म) से श्रामेल श्रावेश तक श्रनन्तिम रूप से सहर्ष नियुक्त कुनो हैं।

ए० ० मान उपमहालेखाका (ा)

महालेखाकार का कार्यालय, धानध प्रवेश हैदराबाद, दिनांक 22 जून, 1977

महालेखाकार, मानध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के मधीन लेखा केवा के स्थायी सदस्य श्री के जार्ज को महा खाकार मानध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान ६० 840-40-1000 ६० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय यें स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी के पर पर 18-6-77 के पूर्वाह्न से जब तक आगे भाषेख न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता हैं। यह पदोन्नति उससे वरिष्ठ सदस्यों के बावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० मार० मृ**वर्जी** प्रवर उप-महालेखाकार (प्र**शा**सन)

महालेखाकार का कार्यालय,बिहार रांची, दिनांक 25 जून, 1977

सं एल ए प्रणासन-I - इस्टे ० / 1905 -- महालेखाकार विहार रांची ग्रपने कार्यालय के स्थानीय ग्रंकेक्षण प्रणाखा के श्री श्रीनन्दन लाल दास ग्रनुभाग ग्रंधिकारी (ग्रंकेक्षण) को दिनांक 22-6-77 पूर्वाह्म में भ्रगले ग्रादेश होने तक स्थानापन सहायक स्थानीय लेखा परीक्षक बिहार के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० एल० ए० प्रणासन I इस्टे० I - 191—महालेखा-कार बिहार रांची अपने कार्यालय हैं के स्थानीय अंकेक्षण प्रणाखा के श्री लक्षमण दास अनुभाग अधिकारी (अंकेक्षण) दिनांक 22-6-77 पूर्वाक्ष में अगले आदेश होने तक स्थानामस्य, सहायक स्थानीय लेखा परीक्षक, बहार के पद पर सहयं पदोश्वत करते हैं। सं० एल० ए० प्रशासन I-इस्टे० I / 1917— महालेखाकार विहार रांची अपने कार्यालय के स्थानीय श्रंकेक्षण प्रशाखा के श्री नीरेन्द्र प्रसाद वर्मा अनुभाग श्रिष्ठकारी (श्रंकेक्षण) को विनास 22-6-77 पूर्वाह्म में श्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न, सहायक स्थानीय लेखा परीक्षक, के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

वे० रामनाथन स्थानीय लेखापरीक्षक, बिहार, रांची

कार्यालय महालेखाकार, महाराष्ट्र-I बम्बई, दिनांक 27 जून, 1977

सं • प्रशा०-1 भा० ले० वि० /31-खण्ड-3/2 — महालेखा-सार सहाराष्ट्र-1, बम्बई, प्रधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट किये गये दिनांक से भागामी भाषेश पक स्थानापन्न रूप से लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

क० सं०	नाम	विनांक 	
1. श्री সীণ্ড	रस० भिडे	10-6-1977 (पूर्वाह्नः)	
2. श्रीपी०	जी० नगरकर	8-6-1977 (पूर्वाह्न)	
3. कु ० एस	० जी० देव	8-6-1977 (ग्रपराह्न	
4∵श्रीवी०	एन० पाध्ये	8-6-1977 (ग्रपराह्न)	

श्रीमती र० कृष्णन कुट्टी वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

रका मंत्रालय

भारतीय ग्रार्डनैन्स फैक्टरियां स्वास्थ्य सेवाएं, महानिदेशालय , ग्रार्डनैन्स फैक्टरियां

कलकत्ता 700069, दिनांक 21 जून 1977

सं 23/77/जी०—-राष्ट्रपति, डा० बी० म्रार० चौधरी, स्यानापम बी० ए० डी० जी० मी० एफ० मेंड को दिनांक 27 सितम्बर, 1976 से, मन्य भादेश न होने तक, स्थानापम प्रिसिपल मैडिकल भफसर के पद पर तदर्थ माधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जून, 1977

सं • 27/77/जी • — राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को अस्थामी सहायक प्रबन्धक/ टी • एस • ओ • के पद पर प्रत्येक के सामने वर्शामी गई तारीखों से, श्रन्य श्रादेश न होने तक, नियुक्त करते हैं।

- 1. बा मिजित दुरकायस्थ 10 विसम्बर, 1976।
- 2. श्री अन्त्रगेखरपुरम स्वामीनाथ रामा-नाथन 6 दिसम्बर, 1976

3.	श्री कोल्लामपरमपिल	जॉन	<u> </u>	
	कुरुविल्ल,		6 विसम्बर, 1978।	ļ
4.	श्री सुधीन कुमार रे		1 मन्नेल, 1977 ।	ļ
5.	श्री मुथालमपेट गोपालकृष्णन्		3 जनवरी, 1977 ।	
6.	श्री सत्यकिकर देशमुख		11 विसम्बर, 1976।	
7.	श्री रामकृष्ण विश्वनाथ वैद्या,		11 जनवरी, 1977।	
8.	श्री प्रभृ सवलराम काम्ले,		2 विसम्बर, 1976।	1
	श्री चुड़ामणि म्प्रिघा,		1 विसम्बर, 1976 ।	
10.	श्री काइष्ट मुक्ति प्रसाद कुजुर,	. 2	24 नवम्बर, 1976।	1

दिनांक 24 जून 1977

सं० 28/77/जी०—राष्ट्रपति श्री पी० एल० जलोटा, स्थायी महाप्रबन्धक, ग्रेड-II को, स्थानापन्न डी० डी० जी० घो० एफ०, स्तर-II के पद पर, दिनांक 15 ग्रक्त्यर, 1976 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं।

> एम० पी० श्रारं पिल्लाय सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1977 अप्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/302/55-प्रशा० (राज०) / 4421—-राष्ट्रपित, कुमारी एस० के० ग्रेवाल, उप-मुख्य नियंत्रक, भायात-निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से भिन्न) को मुख्य नियंत्रक, भायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में बिल्कुल तदर्थ भीर ग्रस्यायी भाषार पर 1-2-77 से 30-6-77 तक भ्रथवा जब तक स्थायी भवन्ध न हो जाएं, इसमें जो भी पहले हो उस तक के लिए संयुक्त मुख्य नियंवक भ्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/1018/74-प्रणासन (राज०) / 4440 — सेवा निवृत्ति की प्रायु होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के धनुभाग श्रीधकारी वर्ग में स्थानापन्न प्रधिकारी, श्री डी० प्रार० धनी ने 31 मई, 1977 के श्रपराह्न से इस कार्यालय में नियंत्रक, प्रायात-निर्यात के पद का कार्य-भार छोड़ विया।

दिनांक 21 जुन 1977

सं० 6/1149/76-प्रशासम (राज०) 4373---राष्ट्रपति, श्री स्वर्ण सिंह, ग्राणुलिपिक श्रेणी ''बी०'' (सदर्थ) को दिनांक 30 ग्रप्रैल, 1977 (पूर्वाह्म) से ग्रागे के ग्रादेश होने तक, ग्रस्थायी रूप से ग्राणुलिपिक श्रेणी 'बी०' के रूप में बने रहने की ग्रनुमित प्रदान करते हैं।

सं० 6/1166/77-प्रशासन (राज् ०)/4367—राष्ट्रपति, श्री एम० एल० बस्सी, श्राशुलिपिक श्रेणी बी०' (तदकें) को दिनांक 30 श्रप्रैल, 1977 (पूर्वाह्म) से श्रागे श्रादेश होने तक भ्राणुलिपिक श्रेणी 'बी' के रूप मे श्रस्थायी भ्राधार पर बने रहने. की मनुमति प्रदम करते हैं।

> ए० एस० गिल मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

ं नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1977

सं० 3/1/76-प्रणासन (राज०) / 4515—मुख्य नियंत्रक प्रामात-निर्यात एतव्द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा मगोनीत किये गए निम्नलिखित श्रधिकारियों को इस कार्यालय में 20 जून, 1977, के दोपहर पूर्व से ग्रागे के श्रादेण होने तक नियंत्रक, श्रायात-निर्यात श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से श्रिक्त) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं :—

- . 1. श्री एस० राजा शेखर
 - 2. श्रीबी० सी० बागची
 - श्रीटी० के० चौधरी
 - 4. श्री एस० के० दादू
 - 5. श्री एम० ब्री० गुरुराजा राव
 - श्री एन० एन० घोष
 - 7. श्री डी० एस० मोंगिया
 - श्री के० एन० नटराजन
 - 9. श्री एस० के० वेंकटेश्वरन
- 10. श्री एस० नारायण नायर
- 11. श्री एम० एल० भूटानी
- 12. श्री के० के० राय
- 13. श्री ग्रणोक बनसोद
- 14. श्री सी० वी० निरालाराजन
- 15. श्रीमती माया देवी केम
- 16. श्री एस० एल० गेडे
- 17. श्री सूरत सिंह
- 18 श्रींबी० ग्रार० कावत।
- 2. नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात के रूप में उपर्युक्त भ्रधिकारी से नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०- 880-40-1000 द० रो०- 40- 1200 रुपये के वेतनमान में वेतन प्राप्त करगे ।

ए० टी० मुखर्जी उप-मुख्य नियंतक, आयात-निर्यात इसे मुख्य नियंतक; आयात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन शाखा-1)

नुई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1977

महानिदेशालयः, नई विलंनी में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) भारतीय पूर्तित सेवा, गुप ए० के० ग्रेड-III) श्री हरनारायणः को विनांक

6 जून, 1977 के पूर्वाह्म में तथा श्रामामी स्रादेशों तक जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में उपनिदेशक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-II) के रूप में स्थानापन्न रूप से तदर्थ ाधार पर नियुक्त करते हैं।

> कीरत सिंह उप निवेमक (प्रणासन) कृते महानिदेशक, पृति तथा निपटान

विस्फोटक सामग्री विभाग

ः नागपुर, दिनाकः 23 जून, 1977

सं० ई॰-II(7) —-इस विभाग की समय समय पर यथा सभोधित श्रिधसूचना स० ई॰-I1(7), दिनाक 11 जुलाई, '1969 में निम्नलिखित जोडा जाये, श्रर्थात् .

श्रेणी-6 भाग-3 के प्रधीन

(1) प्रविष्टि "डिले डिटोनेटर रिलेस" के पूर्व "कोल डिले डिटोनेटर्स" जोडा जाये ।

> इगुब नर्रामह मूर्ति मुख्य विस्फोटक नियन्नक

इस्पात श्रीर खान महालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

1.

कलकत्ता-700016, दिनाक 21 जून, 1977

म्स० 40/59/सी/19 ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मधिक्षक श्री अनन्तदेव मुखर्जी को महायक प्रशासनिक प्रधिकारी के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-वं० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 द० के वेतम मान में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के कोयला प्रभाग, कलकत्ता के सहायक प्रशासनिक श्रीधकारी श्री बी० एम० गृहा जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर, तदर्थ ग्राधार पर, ग्रागामी ग्रादेश होने सक, 1-6-77 के पूर्वाह्म से पदोश्चित पर नियुक्त कर रहे हैं।

एस० बी० पी० अयंगर उप महानिदेशक (मुख्यालय)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनाक 21 जून 1977

स० ए० 19011/40/70/स्था०ए० — राष्ट्रपति, श्री के० कृमार, उप खान नियन्नक, भारतीय खान स्यूरो को दिनाक 8-6-19,77 के पूर्वाञ्च से ग्रागामी श्रादेश होने तक उसी विभाग में स्थान।पन्न क्षेतीय खान नियनक के रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

स० ए०/19011/21/70-स्था० एस०---राष्ट्रपति श्री बी०सी० मिश्र, उप खान नियल्नक, भाग्तीय खान ब्यूरो को दिनांक 6 जून 1977 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेश होने तक उसी विभाग में स्थानापन्न क्षेत्रीय खान नियल्नक के रूप में महर्ष नियुक्त प्रदान करते हैं।

सं० ए०19011(90)/75-स्था० ए०--डा० ए० के० राय, स्थामी सहायक अयस्क प्रमाधन अधिकारी, भारतीय खान ब्यूरो को दिनाक 1 जून, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होन तक उसी विभाग में वर्ग 'अ' के पद में तवर्थ आधार पर स्थानापन उप अधस्क प्रसाधन अधिकारी के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 19012/91/77-स्था० ए०--श्री श्रार० एन० कोस्टा, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (श्रयस्क प्रसाधन) को दिनाक 7 जून, 1977 के पूर्वाह्म 'से श्रागामी ग्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग 'ब' के पद में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन सहायक श्रनुसन्धान श्रधिकारी (ग्रयस्क प्रसाधन) के रूप में पदोन्नति प्रवान की जाती है।

सं० ए० 19012/92/77-स्था० ए०-श्वी एम० सी० श्रीवास्तवा, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को विनांक 7 जून, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेण होने तक भारतीय खान क्यूरों में वर्ग "ब" के पब में तवर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक रसायनविद के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सुरेण चन्य कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

शिक्षा तथा समाज कल्याण मन्त्रालय [भ्रानीपचारिक (प्रीढ़) शिक्षा निदेशालय] नई दिल्ली, दिनाक 29 जून 1977

सं० एफ० 5-6/77 प्र० (प्रौ०) शि० नि०—शिक्षा तथा समाज कल्याण मत्रालय मे नवादना होने पर प्रतिनियुक्ति के माधारपर श्री सत्य प्रकाश श्रार्य को 4-6-1977 (श्रपराह्म) से एक वर्ष की श्रवधि के लिए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपए के वेतनमान मे अनीपचारिक (प्रौढ़) शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली में हिन्दी श्रधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया जाता है।

डी॰ एन॰ सक्सेना निवेशक

राष्ट्रीय ग्रभिलेखागार नई दिल्ली-1, दिनांक 24 जून 1977

स० क०. 11-14/76 ए-1--श्री सुरन्द्र सिंह रेखी, सहायक प्रुरालेखाधिकारी ग्रेड 1:(सामान्य) नितास तदर्थ ग्राधार पर

पुरालेखाधिकारी (सामान्य) (बी ग्रेंड राजपित्रत) 17-6-77 से ग्रामामी ग्रादेश तक नियुक्त किए गए। यह तवर्थ नियुक्त नियमित नियुक्ति के लिए किसी भी प्रकार के दावे का ग्रधिकार प्रवान नहीं करेगी ग्रीर न ग्रन्थ उच्च ग्रेड में पदोक्षति हेतु पान्नता ग्रीर वरिष्ठता सम्बन्धी उद्देश्य के लिए गिनी जाएगी।

जनक प्रसाद श्रभिलेख निवेशक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 24 जून 1977

सं० एफ० 70-21/77-स्थापना/15883—विभागीय पदोल्लि समिति की सिकारिण पर भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के श्री ए० के० बोस, कार्यालय छाडीक्षक, को इसी विभाग में 20 जून, 1977 (पूर्वीह्रु) से प्राणामी श्रावेक्षों तक कनिष्ठ प्रशासन-प्रक्षिकारी के रूप में कार्य करने के लिए 650 क०-1200 ह० के वेतन मान में नियुक्त किया जा रहा है।

डा० टी० एन० झनन्तक्रण्णन निदेशक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

माकाशवाणी महानिदेशालयं नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1977

सं० 4/19/76-एस० एक महानिदेशक, भाकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री रूपक्षण भट्टको रेडियो करमीर, श्रीनगर में 31 मई, 1977 से अगले भादेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पदपर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

मन्द किशोर भारद्वाज प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून, 1977

सं 10/39/77-एस०-तीन—महानिदेशक, म्राकाशवाणी, श्री जे धर्मेन्या को दिनांक 21-5-77 (पूर्वाह्न) से उच्च शक्ति प्रेषिक, माकाशवाणी, चिन्सुरा में स्थानापन्न रूप से सहायक इंजीनियर नियुक्त करते हैं।

> हरजीत सिंह प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून, 1977

सं० ए० 22012/1/77 प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय सिनवालय के अनुभाग अधिकारी ग्रेड केएक स्थायी अधिकारी श्री एच० के० क्वाक्षा को 6 जून, 1977 पूर्वाह्न से 45 दिनों तक या किसी नियमित अधिकारी की सेवाओं के उपलब्ध होने

तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा ग्रेड- में स्वानापन्न आधार पर नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति ने श्री एच० के० क्वाचा को उपरोक्त समय के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उपनिवेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

> सूरज प्रकाश जित्रस्त उप निदेशक प्रशासन

कृषि भौर सिंचाई मंद्रालय (कृषि विभाग) विस्तार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 17 जून, 1977

मि० सं० 2 (11)/76-स्था० (1)—श्री एन० शिव-रामकृष्णन, सहायक प्रवर्णनी श्रीक्षकारी (कोटि द्वितीय) को विस्तार निदेशालय, कृषि और सिंवाई मंत्राक्षय (कृषि विभाग) में स्थानापन्न सहायक प्रदर्णनी ग्रीधकारी (कोटि प्रथम) समूह 'बी' (राजपन्नित) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-व० रोज-35-880-40-1000-द० रोज-40-1200 के वेतन-मान में पूर्णतः तदर्थ रूप में 9 जून, 1977 से 16 जुलाई, 1977 तक पदोन्नत किया गया।

मि० सं० 2 (11)/77-स्था० (1) --श्री पी० बी० दत्त, वरिष्ठ कलाकार को विस्तार निदेशालय, कृषि और सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में स्थानापन्न सहायक प्रदर्शनी प्रधिक्तारी (दृश्य) समूह "बी" (राजपित्रत) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः सदर्थ रूप में विनोक 17 जून, 1977 से 28 फरवरी, 1978 तक नियुक्त कियागया।

निर्मल कुमार दल प्रशासन निदेशक

ग्रामीण विकास विभाग विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीदाबाद,दिनांक 23 जून 1977

सं० फाईल 4-5 (45)/75-प्र० III—इस निर्देशालय के विपणन अधिकारी श्री नत्या राम की सेवाझों को दिनांक 31 मई, 1977 (ध्रपराह्न) से एक वर्ष की ध्रविध के लिए विदेश सेवां शतीं पर उनके उप-निदेशक के रूप में नियुक्ति होने पर राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के अधीन रखा जाता है।

सं० फाईल 4-5 (83)/77-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोगकी सस्तुतियों के अनुसार श्री जी० के० उपाध्याय, सहायक विषणन अधिकारी को विनांक 9 मई, 1977 (पूर्वाह्म) से अगले अविक होने तक नई दिल्ली में ए० 650—1200 के वेतनमान में स्थानापन्न विषणन अधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया जाता है।

विपणन ग्रधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री उपाध्याय ने नई दिल्ली में दिनांक 9 मई, 1977 पूर्वीह्य में सहायक विपणन ग्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

विनांक 27 जून 1977

सं० फाईल 4-6 (54)/74-प्र० III—संघ लोक ग्रामोग के माध्यम से ग्रामात-निर्यात के मुख्य नियंत्रक के कार्यालय में ग्रामात-निर्यात नियंत्रक के पद के रूप में अपन होने पर श्री एस० के० वादू, नई विल्ली में इस निवेशालय के सहायक विषणन ग्राम्रकारी को, इस निवेशालय में दिनांक 20 जून, 1977 के पूर्वाह्म से उनके कार्य से मुक्त किया जाता है।

बी० एल० मनीहार निवेशक, प्रशासन इन्ते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई, 85, दिनांक 24 जून 1977

सं० : वी०/415/एम० ई० डी०/स्थाप० 1/2354— भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के नियंत्रक, श्रीमती रोणन बरजोर मिस्त्री; जी कि एक स्थाई सिसटर एवं स्थानापन्न सहायक मैंट्रन हैं, इसी अनुसन्धान केन्द्र में तारीख 23 मई 1977 के पूर्वाह्म से 2 जुलाई 1977 के अपराह्म तक श्रीमती टी० धार० वालसंगकर मेंट्रन के स्थान पर, जिन्हें छुट्टी प्रवान की गई है, स्थानापन्न मेंट्रन नियुक्त करते हैं।

> एम० कें • एस० सुन्नामनियम उप स्थापना **प**धिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग (ऋय एवं भंडार निवेशासय)

मुम्बर्ध-400001, विनांक 3 जून 1977

सं० की० पी० एस०/ए०/32011/3/76/स्था०/11226— परमाणु कर्जा विभाग के क्य एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के अस्थायी सहायक श्री कर्ष्वाथल रवीन्द्रन की, श्री के० पी० जोसफ, सहायक कार्मिक श्रीधकारी, जिनको प्रशासन-ग्रीधकारी के पद पर नियुक्त किया गया है, के स्थान पर 5 मई, 1977 (पूर्वाह्म) से 10 जून, 1977 (अपराह्म) तक सहायक कार्मिक ग्रीधकारी के पद पर 650-30-740-35-880द० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में तदर्भ साक्षार पर नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/23/4/77/स्थापना/11191— परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, निदेशालय के ग्रस्थायी क्रय सहायक श्री चोंवन्तूर विजयन को 16 मई, 1977 से 18 जून, 1977 तक उसी निदेशालय में श्री बी० कृष्णन, सहायक क्रय श्रीधकारी के स्थान पर जिन्हें छुट्टी प्रसान की गई है 650-30-740-35-810-य० रो०-35-880-40-1000-य०रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तयर्थ ग्राक्षार पर सहायक क्रम ग्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

> बी० जी० कुलकर्णी सहायक कार्मिक श्रधिकारी

मुम्बई-400 001, दिनांक 3 जून 1977

सं की ॰ पी ॰ एस ॰ ए॰ । 1013 | 64 | 75 | स्था ॰ | 11288 — इस निवेशालय की दिनांक 2 मार्च, 1977 की समसंख्यक प्रधिसूचना के कम में, परमाणु ऊर्जा विभाग के कय एवं मंडार निवेशालय के निदेशक, कलकत्ता स्थित परिवर्ती ऊर्जा साइ-क्लोट्रान के भंडार यूनिट (क्रम एवं मंडार निवेशालय) के स्थानापन्न भंडारी श्री परारी किजाबकोडन राधाकु ज्ञान को इस निदेशालय में तीन और महीने की श्रवधि के लिए, जो 31 ग्रागस्त 1977 को समाप्त होगी, तदर्थ ग्राधार पर सहायक भंडार ग्रिधि-कारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 जून 1977

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/3/76-स्था०/11698--परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रम एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के अस्थायी क्रम सहायक श्री पी० एच० साधन्त को, श्री एम० के० चाको, सहायक क्रम प्रधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रवान की गईथी, के स्थान पर 26-4-1977 से 4-6-1977 तक के लिए इसी निदेशालय में 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ भ्राधार पर भ्रस्थायी रूप से सहायक क्रम श्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

के०पी० जोसफ प्रशासन अधिकारी

सदास क्षेत्रीय ऋग यूनिट मद्रास 600 006, दिनांक 9 जून 1977

सं ० एम ० प्राप्त पी ० यू ०/200 (15)/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय एवं भंडार निदेशक, ऋय एवं भंडार निदेशक, ऋय एवं भंडार निदेशक के 4-4-77 के पूर्वासु से 7-5-77 तक ऋय एवं भंडार निदेशक व्यक्त के कलपक्कम स्थित के स्त्रीय भन्नास परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ भ्राधार पर सहायक भंडार प्रधिकारी निमुक्त करते हैं।

सं० एम० ग्रार० पी० यू०/200 (16)/77-प्रशासन— परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय एवं भंडार निदेशक, ऋय एवं भंडार निदेशालय के स्थानापन्न भंडारी श्री वी० बालकृष्णन को 2 मई 1977 से 18 जून 1977 तक मद्रास परमाणु विशुत परि-योजना, कलपक्कम मे ऋय एव भंडार निदेशालय के केन्द्रीय भंडार यूनिट में नवर्थ श्राधार पर सहायक भंडार ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

मं० एम० स्नार० पी० यू०/200 (19)/77-प्रशासन— परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक क्रय एवं भंडार निदेशालय के स्थानापक्ष भंडारी श्री स्नार० नारायणन को 5 मई, 1977 के पूर्वाह्मन से 18 जून, 1977 तक मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, कलपक्कम में क्रय एवं भंडार निदेशालय के केन्द्रीय भंडार यूनिट में तदर्थ श्राधार पर सहायक भंडार श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

> एस० रंगाचारी, क्रय ग्रंधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 24 जून 1977

सं०: भागपण्/स्था०/1/सु-39/3408—भारी पानी परि-योजनाम्नों के विशेष कार्य म्रधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) के श्री पी० एस० सुन्दरम, श्रस्थायी भ्राणुलिपिक (वरिष्ठ) को उसी परियोजना मे 2 मई, 1977 से 4 जून, 1977 (भ्रपराह्न) तक की श्रवधि के लिए, श्री एस० सी० ठाकुर, सहायक कार्मिक श्रधिकारी, जिन्हे भारी-पानी परियोजना (बड़ौदा) में स्थानापन्न प्रणासन श्रधिकारी नियुक्त किया गया है, के स्थान पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> टी॰ सी॰ सस्यकीर्ति वरिष्ठ प्रशासन भिधकारी

बम्बई-400 008, दिनांक 24 जून 1977

सं० 05052/77/3433—भारी पानी परियोजनामों के विशेष कार्य-अधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) के श्री हरिकृष्ण रस्तौगी, अस्थायी, एस० ए० 'सी' को उसी परियोजना में फरवरी 1, 1977 के पूर्वाह्म से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापक बैजानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/77/3434—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य-प्रधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) के श्री दिगम्बर विश्वनाथ भोकरकर, अस्थायी फोरमैन को उसी परियोजना में फरवरी, 1, 1977 के पूर्वाह्म से श्रागे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/77/3435—भारी पानी परियोजनां में के विषेष-कार्य-भाधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ौबा) के श्री राजकुमार लाखी, श्रस्थायी एस० ए० 'सी' को उसी परियोजनां में फरवरी 1, 1977 के पूर्वाह्न से श्रागे आदेश होने तक के लिए भस्थायी रूप से स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रीधकारी/ग्राभियन्तां (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जून 1977

सं० 05052/77/3439—भारी पानी परियोजनाम्नो के विशेष-कार्य-प्रधिकारी, श्री कृष्ण दिरेन्द्राचार्य ननजनगुड, ग्रस्थायी पर्यवेक्षक (वास्तु), भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को उसी परियोजना में फरवरी 1, 1977 (पूर्वाह्न) से म्रागे म्रादेश होने तक के लिए श्रस्थायी रूप से स्थानापन्न वैज्ञानिक म्रिकिंगरी/मिभियन्ता (ग्रेड-एम० वी०) नियुक्त करते. हैं।

सं ० 05000/एम०/114/3440—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य-प्रधिकारी, राजस्थान परमाणु विद्युत परि-योजना के श्री ए० एम० मृत्तुस्वामी, स्थायी लेखापाल को भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) में मई 20, 1977 (पूर्वाह्म) से श्रागे श्रादेश होने तक के लिए श्रस्थायी रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रार० सी० कोटिश्रनकर प्रशासन श्रधिकारी

पर्यटन भ्रौर नागर विमानन मन्तालय (भारत मौसम विज्ञान विभाग) नई विल्ली-3, दिनांक 27 जून 1977

सं० ६० (1) 05826—वैधशालाश्रों के सहानिदेशक, वैधशालाश्रों के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ब्यावसायिक सहायक श्री एम० एल० काला को 6-6-77 से 31-8-77 तक 87 दिन की श्रवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री काला, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वैधवालाश्रों के महानिवेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही नैनात रहेंगे।

> एम० भ्रार० एन० मणियन मौसम विज्ञानी क्रुते वैधणालाश्रों के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1977

सं० ए० 32013/13/76-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री श्री० श्रार० शर्मा, को महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय, नई दिल्ली में 29 श्रप्रैल, 1977 (पूर्वाह्म) से श्रन्य श्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप में उपनिदेशक, वैमानिक निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है।

वि० त्रि० जौहरी, ग्हायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिमांक 20 जून 1977

सं० ए० 32014/1/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के श्री सी० पी० गोपीनाथन, संचार सहायक को 24-4-77 (पूर्वाह्म) से श्री के० सी० नायर, सहायक संचार ध्रिक्कारी की छुद्टी रिक्ति में सहायक संचार ग्रिक्कारी के पद पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, हैवराबाद में सैनात किया है।

पी० सी० **जैन,** सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद-शुस्क समाहर्ता का कार्यालय, सी० एल० एख० भवन, नामपस्ली स्टेशन रोड

हैयराबाद-500001, दिनांक 7 प्रक्तूबर, 1976

विषय---सीमा-शुल्क नियमावली 1975 (नामों का प्रकाशन) के नियम 3 के श्रश्नीन व्यक्तियों के नामों सथा श्रन्म विवरणों का प्रकाशन

मुख्यालय पी० सी० सं० 21/76—निम्नलिखित व्यक्तियों के नाम तथा उनके सम्बन्ध में दिए गए ग्रन्य विवरण कृपया सरकारी राजपत में प्रकाशित कीजिए। सीमा-शुल्क नियमावली, 1975 (नामों का प्रकाशन) नियम 3 के उपबन्धों की हैसियत से इस प्रकाशन को श्रनुमित प्राप्त है।

"श्री कल्याणभाई तवरचन्व शाह पुत्र श्री तवरचन्द

ग्राम-नगवागांव, जिला-उदयपुर, राजस्थान

दिनांक 30-1-76 को हैदराबाद के चतुर्थ महानगरीय मिलस्ट्रेट द्वारा सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 135-बी के अधीन श्री शाह दोषी सिद्ध हुए और उनको छहमास के सक्षम कारावास की सजा दी गयी। श्री कें ब्रीट शाह के पास से 16080/इ० मूल्य की विदेशी (हाथ की) घड़ियां बरामद हुई।

2. श्री म्रब्दुल सत्तार/पुत्र मूसा निवासी—डी० सं० 1-2-587/9।

दोमलमङ्गा, हैवराबाद।

दिनांक 11-2-76 को हैदराबाद के छठे महानगरीय मजिस्ट्रेट हारा सीमा-मुल्क प्रक्रितियम की धारा 135-बी के प्रधीन श्री सत्तार दोषी सिद्ध हुए और उन पर 1000/- रु० जुर्माना किया गया तथा न्यायालय के उठने तक साधारण काराबास का दण्ड दिया गया। वे स्वर्ण (तियंत्रण) श्रधिनियम की धारा 85 के प्रधीन भी दोषी पाये गए और उनको न्यायालय के उठने तक साधारण काराबास तथा 1000/- रु० का अर्थदण्ड या धर्मवण्ड न देने की स्थिति में छह मास के काराबास की सजा सुनायी गयी। श्री सत्तार से 90 विदेशी (हाथ की) घड़ियां, सुपर सिल्वर गिलेट ब्लेड के पन्त्रह पैकेट, गिलेट प्लैटिनम ब्लेड के दस पैकेट तथा बीस-बीस डालर मूल्य की दो स्वर्ण मुद्राए बरामद हुईं।

3. श्री मुहम्मद ग्रनवर/पुत्र इस्माइल, 23-2-318, मुगलपुरा, हैदराबाद । दिनांक 17-5-76 को हैदराबाद के पंचम महानगरीय मिजस्ट्रेट द्वारा सीमा-शुल्क श्रिधिनियम की धारा 135-बी के श्रधीन श्री श्रनवर दोषी सिद्ध हुए श्रौर उन्हें एक वर्ष के कठोर काराबास का वण्ड दिया गया । श्रपील करने पर भी दोषी यथावत सिद्ध हुन्छा । किन्तु कारादण्ड घटाकर नी मास कर दिया गया । श्री मुहम्मद श्रनवर से 3825/ ६० मुख्य के विदेशी कपड़े पाये गए।"

एस० के० श्रीवास्तव, समा**ह**र्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, इलाहाबाद दिनांक 23 जून 1977

सं० 19/1977—-मिर्जापुर मण्डल के श्रन्तर्गत जौनपुर में तैनात केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के स्थानापन्न श्रधीक्षक वर्ग (ख) श्री एस० ए० एम० रिजवी दिनांक 30-4-77 के वोपहर के बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त हो चुके हैं।

सं० 20/1977— रामपुर मण्डल के अन्तर्गत चन्दौसी में स्थामी निरीक्षक (चयन ग्रेंड) श्री के० एम० एल० माथुर ने, जो अगला धादेण होने तक के लिए स्थापना आदेश संख्या 301/1977 दिनांक 5-12-76 के अनुमार ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन णुल्क वर्ग (ख) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए गए हैं, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मण्डल, इलाहाबाद में दिनांक 23-12-76 (पूर्वाह्म) को अधीक्षक वर्ग (ख) के कार्यालय का कार्यभार सम्धाल लिया।

के० एम० दिलीपसिंह जी, समाहर्ता

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

वेहरावून, दिनांक 24 जून 1977

सं 16/258/76-स्थापना 1— श्रध्यक्ष वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री होरी लाल को वन भनुसन्धान गाला, बंगलूर में दिनांक 16 मई, 1977 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेशों तक सहर्ष अनुसन्धान ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं॰ 16/110 ए/77-स्थापना-I—श्री पी॰ एन॰ निगम, अमुसम्बान श्रविकारी, वन श्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय देहराकून का दिनांक 30 मई 1977 को देहावसान हो गया।

> हीरा बल्लभ जोशी, कुल सचिवः अन अनुसंधान स्थान एवं महाविद्यालय

विह्न भीर परिवद्दन यन्द्वालय (नीवह्न मद्दानिदेशालय)

बम्बई-400001, दिनोक 25 जून, 1977

सं० 25-ए० डी० एम० एन० (2)/77— रेबइन महा-निदेशक सघ लोक सेवा घायोग की सिफारिश पर नौबहन महा-निदेशालय, के स्थाई घधीक्षक श्री वाई० एम० घगिनहोत्री, को 12 मई, 1977 (पूर्वाह्म) से ग्रागामी घादेशों तक ग्रस्थाई तौर पर फोट इन्वेस्टिगेटिंग ग्राधिकारी, कांडला, के रूप में नियुक्त फरते हैं।

> एस० एम० घोचाणी, नौवहन उप महानिदेशक

दक्षिण पूर्व रेलवे कार्यालय, मुख्य कार्मिक श्रिधकारी गार्डेनरीच, दिनांक 17 जून 1977

सं० पी०/जी०/14/300 एफ० -- इस रेलवे के सामान्य प्रमासन-गाखा के श्रेणी II के निम्नलिखित स्थानापण प्रधिक्त कारियों का पुष्टीकरण उक्त पद पर प्रत्येक के सामने उल्लिखित सारीख से किया जा रहा है:---

ऋम०सं० न₁म	श्रेणी II के	पुष्टीकरण की	नियत किए
	पद पर पुष्टि	सारीख	गए विभाग
श्री			,
1. ए० के० दास	सह्यक	3-3-76	सिविल
	उप महाप्रबन्ध	क	इंजीनियरी
2 श्री एम० एस० ग्रार० मूर्ति	सह।यक सचिव, महाप्रबन्धक	3-3-76	सिविस इंजीनियरी

एम० एस० गुजराल, मह/प्रबन्धक

कार्यालय, महाप्रबन्धक

कलकत्ता-700043, दिनांक 22 जून 1977

सं० पी०/सी०/14/300 एफ०--सामान्य प्रशासन-शाखा के, श्रेंणी II के अधिकारी श्री पी० यू० सी० पीधरी का पुष्टीकरण सहायक जन-सम्पर्क श्रीधकारी (श्रेणी-II) के कप में विनोध 30-8-1974 से किया जा रहा है भौर इनका नियतन परिवहन (यातायात) एवं वाणिज्य विभाग में किया जा रहा है।

एम० मेनेजिज, म**ह**।प्रवन्धक पूर्वीत्तर सीमा रेलवे महाप्रबन्धक का कार्यालय (कार्मिक शाखा) पांडू, दिनांक 16 जूम 1977

सं० ई/55/111/96 (ब्रो)—निम्नलिखित श्रिष्ठिकारियों को द्वितीय श्रणी सेवा में सहायक विद्युत इंजीनियर के रूप में उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से स्थायी किया जाता है:—

कम सं० नाम	जिस तारी ख से स्थायी किया गया
1. श्री बी० बी० सरकार	. 5-5 76
2. श्री ए० वी० सुन्दरम	. 1-12-76

दिनोक 23 जून 1977

सं० ई/55/111/92 भाग-II (म्रो)—श्री डी० सिंह को, जिन्हें भारतीय रेलों के उच्च राजस्व स्थापना के सिगनल इंजी-नियरी विभाग में परिवीक्षाधीन नियुक्त किया गया था, धवर वेतनमान में दिनांक 8-2-77 से स्थायी किया जाता है।

जी० एच० केसवानी, महाप्रबन्धक

श्रम धौर पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम धौर रोजगार विभाग)

कार्यालय कल्याण भागुक्त, ग्रभ्नक खान श्रम हितकारी कोष, राजस्थान

भीलवाड़ा, दिनांक 1 जून 1977

सं० 1/2/77-स्थापन-I---महालेखाकार राजस्थान, जय-पुर के कार्यालय के अनुभाग श्रिधकारी श्री रतन लाल कोठारी की लेखाधिकारी, अध्यक खान श्रम, हितकारी कोष, राजस्थान, भीलवाड़ा के पद पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री कोठारी ने उपर्युक्त लेखाधिकारी के पद का कार्यभार दिनांक 10 मई, 1977 (पूर्वाह्म) से संभाल लिया है।

नन्द लाल शर्मा, कल्याण द्वागुक्त

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्द्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनीयों केंुरजिस्ट्रार का_कार्यालय

कम्पनी मधिनियम 1956 डेबोनेयर लिमिटेड के विषय में हैवराबाप, दिनांक 16 जून 1977

सं० 643/560 (3)/77—कम्पनी मधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुसरण में एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के भवसान पर डेबोनेयर लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भ्रौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

भोम प्रकाश जैन कम्पनियों का रिजस्ट्रार माध्य प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी मिधिनियम 1956 मौर "मलइमगल फन्डस (प्राइवेट), लिमिटेड "के घिषय में पीडिचेरी, दिनांक 25 जून 1977

सं० 99/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 उपधारा (5) की अनुसार एक्ट द्वारा दी जानी है कि "मलइमगल फन्डस (प्राइवेट) लिमिटेड" का नाम आज रिजस्टर से हटा विया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

सीताराम कम्पनियों का रजिस्ट्रार पाडिचेरी

कार्यालय भ्रायकर भ्रायुक्त, दिल्ली-2 नई दिल्ली, दिनांक 22जून 1977 भ्रायकर

एफ० सं० जुरि/दिल्ली/2/77-78/15861— धायकर मिधिनयम 1981 (1961 का 43वा) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष शक्तियों का तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त प्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी प्रादेशों में संशोधन करते हुए, प्रायकर प्रायुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि नीचे दी गई प्रनुसूची के कालम-1, में निविष्ट निरीक्षीय सहायक प्रायकर प्रायुक्त उक्त धानियम के धन्तर्गत उसी प्रनुसूची के कालम-2 में निविष्ट डिस्ट्रिक्ट/सिक्सों के प्रायकर प्रायकर प्रायक्त संत्र में पड़ने वाले

क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, ∫श्राय या श्राय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में निरीक्षीय सहायक श्राय-कर श्रायुक्त के सभी कार्य करेगें :----

मन्सूची

रेंग	धायकर डिस्ट्रिक्ट/ सर्किल
निरीक्षीय सहायक भायकर भायुक्त रेंज-2 (भी) नई दिल्ली।	1. डिस्ट्रिक्ट-6-नई दिल्ली
निरोक्षीय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त रॅज-2-सी०-ब-सम्पदा शुल्क, नई दिल्ली ।	 कम्पनी सिकल 6, 17, 18, 21 घ 24, नई दिल्ली। सम्पदा गुल्क य भ्रायकर सिकल
	 अतिरिक्त संपदा गुल्क व ग्रायकर सिंकल, नई दिल्ली।
	 द्रस्ट सिकल-3, नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक ब्रायकर बायुक्त रॅज-2-डी, नई दिल्ली ।	1. कम्पनी सकिल-22, नई दिल्ली।
	 ठेकेदार सिकल, नई दिल्ली।
	 वकील सिकल, 1 व 2, नई दिल्ली ।
,	4. ट्रस्ट सिंकल-1 व 2, नई दिल्ली

यह प्रधिसूचना से लागू होगी।

जगदीश चन्द ग्रायकर प्रायुक्त, दिल्ली-2

प्ररूप आई० दी० एम० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के सभीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 27 जून 1977

निर्देश सं० एल० सी० 143/77-78--यसः मुझे सी० पी०

ए० वासुदेवन, आयकर श्रीविनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स श्रीविनयम' कहा गया है), की धारा 269 के श्रीविन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रुपये से श्रीविक है

श्रौर जिसकी सं व्यनुसूची के व्यनुसार है, जो वेनगपडेरि विलेख तिरूवनन्तपुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चाले में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-1-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से यक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त धिधिनयम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को जिम्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त मधिनियम की खारा 269 ग के धनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की छारा 269 म की उपछारा (1) के झधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:—

- (1) श्रीमत्ती लकसिम ग्रम्माल (भन्तरक)
- (2) डा॰ पी॰ नीरुकन्टन (श्रन्तरक)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए जार्बवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजयल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खसे 45 विन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हितवदा किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के झध्याय 20 क में यथा परिका-षित हैं, वही धर्य होगा जो उस झध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 Cents of land with buildings in Sy. No. 9/64 of Chengazhassasi village in Trivandrum.

> सी० पी० ए० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जंन रेंज, एरणाकुलम

तारीच : 27-6-197

मोहर:

से मधिक है

प्ररूप पाई० टी• एम० एस०-----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (विरीक्षण)

भर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जुलाई 1977

निर्देश संज्ञाई०ए०सी०एक्वी०/भोपाल 77-78/871— भातः, मुझे रा०कु बाली भाष्यकर भश्चिष्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- रुपए

भीर जिसकी सं भू-भाग है जो देवास में हियत है (भीर इससे उपबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय देवास में रिजस्ट्रीकृत श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन 4-11-76

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिये अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असकै
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत
से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य धास्तिकों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिश्चिनियम, या धन-कर भिश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्वाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरच म सैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रचीत् :—-

- 1. श्री महाराज मरावत राव पवार, दुर्गाबाग, देवास । (कानेष्ठ) (মৃन्सरक)
- 2. मेसर्स प्रेस सिडीकेत, -11, तुकांगंज मेनरोड इन्दोर (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घषधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की धषधि, जो भी घषधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबख
 किसी धन्य ध्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास
 जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों को, जो उक्त श्रिवित्यम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्ष होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक भू-भाग क्षेत्रफल 2013 एकड सर्वे नं० 43, स्थित बुर्गाबाग पैलेस, देवास ।

> रा० कु० बाली, सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 1-7-1977

मोहर:

प्ररूप बाई० टी० एम० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के भाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जुलाई 1977

निवेश सं० श्राई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/77-78/872---श्रतः, मुझे रा० कु० बाली,

धायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ध्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-कु से ब्रिधिक है

भीर जिसकी सं० जूनिन बिल्डिंग है, जो भोपाल में स्थित है (भैंर इससे पबद मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय भोपाल में राजस्ट्रीक ए धिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 16-11-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रघीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या घन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भग, उनत मधिनियम की घारा 269 ग के धनु-सरण में, में, उनत मधिनियम की घारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:— 1. श्री जी० एन० पारथासार्थी पुत्र श्री सी० नटराजन निवासी ई 1/165, प्राइवेट सेक्टर घरेरी कालोनी, भोपाल $\frac{1}{2}$ (मन्तरक)

2. श्रीमत्ती चन्द्रकान्ता गर्मा पातिवन मेसर्स भुनिवसंत इन्डस्ट्रीज, 2-3, इन्डस्ट्रीयल स्टेट, गोविन्व पुरा, भोपाल/ (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबिध, जो भी शबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितयम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि व बिल्डिंग स्थित ई० 1/165, प्राइवेट सेक्टर, श्रारेरा कालोनी, भोपाल ।

> रा० कु० बाली सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख 1-7-1977 मोहर:

प्रकप धाई॰ टी॰ एम॰ एस०---

भावकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, रुहायक श्रायवर कायुक्त (निरीक्षण)

भजंन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 जुलाई 1977

निर्वेश सं० 34भी/प्रर्जन-प्रतः मुझे प्रमर सिंह बिसेन,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-धा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका चित्त बाजार मूल्य 25,000/- दं संघिक है

भौर जिसकी सं-मकान नं 100/13, है तथा जो राजन भाश्रम, गन्नेवासी गली गौतम बुद्ध भाग लखनऊ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण भिधियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, तारीख 22-11-1978।

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी धाय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रमुसरण में, नें, उक्त प्रधिनियम की घारा 269व की उपवारा (1) के प्रधीन, निम्मालियित व्यक्तियों, प्रचीत् :--- 1. डा० मिस्रोज इलजावेथ जोजफ

(मन्तरक)

- 2. श्री विजेन्त्र सिंह, देवेन्द्र सिंह, श्रीमत्ती बिमला सिंह, सरोज दहिया श्रामा दहिया (श्रन्तरिती)
- 3. डा॰ मिसेंज इलिजाबेध जोसफ (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के भ्रजैन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध विसी अन्य ध्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस ग्रध्याम में विया गया है।

अनुसूची

एक मकान 100/13, राजन श्राश्रम गन्ने वाली गली, गौमस बुद्ध मार्ग, लखनऊ।

> श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 1-7-1977

मोह्य :

प्ररूप भाई० टी० एम० एस०---

क्षायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रश्नीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (मिरीक्षण)

धर्जन रेंज शिलोंग

शिलोंग दिनांक 25 जून 1977

निर्देश सं०ए-132/77-78/ टी० एम० के० —-म्रत: मुझे एगवार्ट सिंह,

ष्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं जाग सं 337 339 (पुरानी) 442, 425 श्रीर 505, नयी और पि० पि० सं० 28 (पुरानी) 73 भीर 75 नयी है तथा जो माकुम जांशन माकुम डिक्रगड़, धासाम, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय डिक्रगड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 1-12-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या ध्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः शव, उनत प्रिष्ठिनियमं की धारा 269-ग के शनु-सरण में, मैं, उनत प्रिष्ठिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निशिक्षित व्यक्तियों, श्रविद् :---

- श्री डोफन लुंग (1) डो काम चुंग (3) मिसेस मार्क्ष्रिं चेउ मिगुसपल्ली श्री हो फुनलुं माकुम जांशन (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमत्ती बुलबुल भट्टावार्जी, सपुत्ती श्री विमल कुमार भट्टाचार्जी माकुम जंगन रोड, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिन नियम के धन्याय 20-क में परिमाषित है, वहीं धर्ष होगा, जो उस श्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के नापतोल 4 विधा, 0 कठा श्रौर 19 लेखा श्रौर उसके साथ एक चांग बांगलो , घर श्रौर सोड हैं जो माकुम जांशन शहर, डिक्सगड़ जिला, श्रासाम में स्थित हैं।

> एगवर्ट सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, शिलोंग

तार**ींख** 25-6-1977 मोहर: प्ररुप प्राई० टी० एन० एस०~

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 28 जुन 1977

निर्वेश सं० सी० एच० डी०/48/76-77--श्रतः मुझे ई० के० कोशी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत अधिनियम' बहा गया है), की झारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास बरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० एस० सी० श्रो० नं० 61 सैक्टर 30-सी० है तथा जो चन्दीगढ़ में हिथत है (श्रीर इससे उपाबद्ध धानुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख श्रक्तूबर 1976।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिति की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्म, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे सृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर यह कि प्रन्तरक (अन्तरको) और प्रन्तरिती (प्रन्तितियो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत प्रम्तरण कि बिबत में बारतिक है प से कि शत नहीं कि या गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बासत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तिथों, अर्थात्:--3--156GI/77

- श्री प्राणनाय सेखरी पुत्र लाला ज्ञान चन्द सेखरी निवासी मकान गं० 1239, सैक्टर 22-बी, चन्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- श्री रतन चन्द पुत्र पंडित[ा]राम लाल मारफत ऐस० सी० एफ नं० 61 सैक्टर 30-सी०, चन्झीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख रो 45 दिन की झबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झबिध, जो भी झबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी ग्रन्थ व्यवित द्वारा, ग्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हिकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पढ़ों का, जो उक्त श्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्ब होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० भो० नं० 61, सँक्टर 30-सी०, चन्डीगढ़

ई० के० कोशी सक्षम प्राधिकारी, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 28 जून 1977

मोहरः

प्ररूप माई० टी॰ एन॰ एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1977

निर्देश सं०सी० एच० डी० |54|76-77—श्रतः मुझे ई०के० कोशी,

भायकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० सी० श्रो० नम्बर 181, 182, सैक्टर 17-सी० चन्डीगढ़ है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तुबर 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से भिधक है भीर भन्तरिक (भन्तरिकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राम की बाबत उक्त श्रीध-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दासिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भन: भव उन्त भिधिनयम की धारा 269-म ने भ्रमुसरण में, मै, उन्त भिधिनयम की धारा 269-म की उपभारा (1) के भ्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मात्:---

- 1. सर्वश्री (1) देसराज जुनजा पुत्र मूल चन्द जुनेजा।
- (2) नरेश कुमार जुनेजा
- (3) भ्रजय कुमार जुनेजा पुत्र श्री देश राज जुनेजा।
- (4) श्रीमत्ती सरस्वति पत्नि श्री देस राज जुनेजा।
- (5) श्रीमत्ती सुणील पत्नि श्री नरेश कुमार जुनेजा । निवासी मकान नं० 592, सैक्टर 10-डी०, चन्डीगढ़ (श्रन्तरक) 2. सर्वे श्री
 - (2) दर्गन सिंह भ्राहुजा पुत्र श्री भगवान सिंह भ्राहुजा ।
 - (3) कृरिन्दर सिंह श्राहुजा।
- (4) कंवलजीत सिंह म्राहुजा नाबासिंग पुन्न श्री दर्शन सिंह माहुजा उनके पिता तथा भौतिक संरक्षक श्री दर्शन सिंह माहुजा द्वारा । निवासी मकान नं० 56, सैक्टर 8 ए, चन्डीगढ़ । (म्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि
 बाद में समाप्त होती है; के भी सर पूर्वीक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
 किसी भन्य ध्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त श्रिधित्यम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

धमुसूची

एस० सी० ग्रो० नं० 181-182, सैक्टर 17-सी० चन्डीगढ़। (सम्पत्ती जैसे की रिजस्ट्रीकृत ग्रिधकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 497 श्रक्तूबर 1976 में लिखा है।)

> ई० के० कोशी सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण); मर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 28 जून 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज रोहतक रोहसक, दिनांक 28 जून 1977

निदेश सं०सी० एच० डी० 55/76-77—प्रातः मुझे ई०के० कोशी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से घिषक है भौर जिसकी सं० मकान नं० 25 70, सैक्टर 22-सी० चन्डीगढ़ है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 66) के घधीन, तारीख अक्तूबर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) शौर श्रन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत :---

- श्री गुरवेश सिंह पुत्र श्री ग्रमर सिंह, निवासी मकान नं०
 2005, सैंक्टर 23-सी० चन्डीगढ़ (ग्रन्तरक)
 - 2, सर्वश्री
 - (i) करम चन्द
- (ii) श्रवतार सिंह (पुत्र श्री हजारी सिंह निवासी ग्राम कैलों तहसील खरड़ जिला रोपड़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के तिए कार्यवाहियां गुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन के भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के घ्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2570, सैक्टर 22-सी, चन्डीगढ़ (सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ मे रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 526 श्रक्तूबर 1976 में लिखा है।

> ई० के० कोशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज रोहतक

तारीख: 28 जून 1977

मोहर:

प्ररूप माई० टी० एन० ५ स०---

भायकर शिक्षित्रयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनोंक 28 जून 1977

निवश सं० बी० जी० ग्रार० 13/76-77—ग्रातः मुझे ई० के० कोशी,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 के धर्धान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ४० से अधिक है

भौर जिसकी सं० फेक्टरी बिल्डिंग जो कि प्लाट नं० 7- ए० एन० एच० 1 एन० भाई० टी० फरीदाबाद में स्थित है। तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसुधी में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधारी, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख भक्तुबर 1976।

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से भिष्ठिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ध्रस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (वा) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों की जिन्हें, भारतीय ग्रायकर ग्रिविमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविमियम, या धन-कर ग्रिविमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ ग्रान्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः श्रव, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मैं० सन्तराम भाटिया (एच० यू० एफ० उसके कर्ता श्री सन्त राम भाटिया द्वारा मारफत भाटिया इलैक्ट्रीकलज प्राईवेट लिमिटेड मार्केट नं० 1, एन० आई० टी० फरीदाबाद। (अन्तरक)
- 2. मैं ० भाटिया इलैक्ट्रीकलज प्राईवेट लिमिटेड मार्केट नं ० १, एनं ब्याई० टी० फरीदाबाद । (ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितन के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के घटयाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री विल्डिंग जो० कि प्लाट नं० 7 ए ऐन० एच० 1 एन० भाई० टी० फरीदाबद में स्थित है।

(सम्पति जैसे कि रजिस्ड्रीकर्त्ता ग्रधिकारी धल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्रीकर्त्ता विलेख नं० 3585 धक्तूबर 1976 में लिखा है।)

ई० के० कोशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज रोहतक

तारीख: 28 जून 1977

मोहर :

प्रहर प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धाम्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1977

निर्देश सं० सी'० एच० डी० 62/76-77—श्रतः मुझे ई० के० कोशी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उमत प्रधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से धिक है

भीर जिसकी सं० फैक्ट्री बिल्डिंग नं० 17, इन्डस्ट्रीयल ऐरिया चन्डीगढ़ है तथा जो इन्डस्ट्रीयल ऐरिया चन्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के 15 प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घिनियम, के श्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, में में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री अवतार सिंह पुत्र राजाराम, निवासी 17, इन्डस्ट्रीयल ऐरिया चन्डीगढ़ (अन्तरक)
 - 2. सर्व श्री
 - (i) नधाना सिंह सोखी पुत श्री सौदागर सिंह,
 - (ii) भ्रजीत सिंह
 - (iii) सर्वण सिंह।
- (iv) सतपाल मिह ∫ पुत्र श्री वधावा सिंह निवासी 8, टिम्बर मार्केट चन्डीगढ़ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की लारीख से 45 दिश की श्रविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त शिक्षितियम, के शब्दाय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 17 पर बनी फैक्ट्री विल्डिंग जो कि ईन्डस्ट्रीयस ऐरिया चन्डीगढ़ में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी चन्डीगढ़ के कार्याक्षय में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 625 नवम्बर 1976 में लिखा है।)

ई० के० कोशी, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ध्रायकर घापुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज रोहतक।

तारीख: 28 जून 1977

नोहर:

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०-

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के घधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1977

निदेश सं० के० एन० एल०/32/76-77----श्रतः मुझे ई० के० तेणी

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित आजार मूल्य 25,000/- रु॰ से भिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० रेलवे रोड पर स्थित भूमि का एक प्लाट है तथा जो रेलवे रोड करनाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नवम्बर 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और झन्तरक (अन्तरकों) और झन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

भ्रत: अब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269ग के प्रमुसरण में, भै, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269 ज की क्याबारा (1) के प्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रर्थानु:-

- श्री मदन लाख पुत्र श्री बनारसीदास प्रग्रवाल निवासी शौपन० 3 नई मण्डी, करनाल। (ग्रन्तरक)!
 - 2. मैं ० लिबरटी फुटवीयर कम्पनी रेलवे रोड करनाल (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाद्वियों करता है।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित्तव का किसी धन्य व्यक्ति कारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्स अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम् सूची

रेलवे रोड करनाल पर स्थित 553 धर्ग गज भूमि का एक

(सम्पत्ति जैसे कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के करनाल के कार्यालय में रिजस्ट्रीकर्त्ता विलेख नं० 11701 नवम्बर 1976 में लिखा है।)

ई० के० कोशी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज रोहतक,

तारीखा: 28 जून 1977

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1977

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के भश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भश्चिक है

श्रीर जिसकी सं० रेलवे रोड पर स्थित भूमि का एक प्लाट है तथा रेलवे रोड करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, करनाल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख नवम्बर 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

छतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269थ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीत्:—

- 1. श्री कैलाश चन्द पुत श्री बनारसीदास अग्रवाल निवासी शौप नं० 3 नई मण्डी, करनाल) (अन्तरक)
- मैं० लिखरटी फुटवीयर कम्पनी, रेलवे रोड, कम्नाल। (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ब्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ब्रथं होगा, जो उस ब्रध्याय में दिया गया है।

अम् सूची

रेलवे रोड करनाल पर स्थित 622 वर्गगज भूमि का प्लाट।

(सप्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11702 नवम्बर में लिखा है।)

> ई० के० कोशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 28 जून 1977

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मिनिस्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धांयकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 28 जून 1977

निर्देश सं० कें ० एन० एस०/38/76-77—श्रत: मुझे ई० कें ० कोशी,

भ्रायकर मधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उबत मधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाकार मृद्य 25,000/- द० से मधिक है

भोर जिसकी सं० रेलवे रोड पर स्थित भूमि का प्लाट है तथा जोरेलवे रोड करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1976।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य हसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से मधिक है, और धन्तरक (धन्तरको) भीर धन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तम पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राम या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिक्हें भारतीय भ्रामकर भ्रिष्ठिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रष्ठिनियम, या धन-कर भ्रष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधक नार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: ग्रब, उस्त भिवितयम की बारा 269-ग के भनुसरण में। मैं, उक्त भिवित्यम की बारा 269-य की उपवारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों गर्थात्:—

- 1. श्री कैलाश चन्द्र पुत्र श्री बनारसीदास ग्रग्नवाल निवासकी शौप नं० 3, नई मण्डी करनाल (ग्रन्तरक)
 - 2. मैं ० लिवरटी फुटबीयर कम्पनी, रेलवे रोड़, करनाल। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्दों का, जो उक्त भिक्षितियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

वमुसुची

रैलवे रोड़ करनाल पर स्थित 553 वर्गगज भूमि का प्लाट।

(सम्पत्ति जैसे कि राजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी करनाल के कार्यालय में राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12154 दिसम्बर 1976 में लिखा है।

> ई० के० कोशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 28जून 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहनक, दिलांक 28 जुन 1977

निर्देश पं० मी० एच० डी०/69-77—-श्रतः मुझे, ई० के० कोशी.

भायकर भाधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्हत भाधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2108, सैक्टर 35-सी० चन्डीगढ़। है तथा जो सैक्टर 35-सी चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिये, भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत भविक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से बिथत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के मधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उप्त भिधिनियम, याधन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 श्रीमति पुष्पा कुमारी विधवा कैपटैन रमेश चन्द्र, निवासी वी०पी० ग्रो० सैदौ तहमील तथा जिला कागड़ा (हि० प्र०)

2. श्री रमेश सहगल श्राई० पी० एस० पुत्र श्री शिवदयाल निवासी मकान नं० 545 सैक्टर 10 चन्छीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उद्देश सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पटिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रक्षित्यम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2108 सैक्टर 35-सी०, चन्डीगढ़ में स्थित। 'संपत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्त्ती प्रधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय में रजस्ट्रीकृत विलेख नं० 679 दिसम्बर 1976 में लिखा है।)

ई० के० कोणी, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्**त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहनक

भतः भव, उक्त भधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, भर्षात्:—

तारीखः: 28 जून 1977

मोहर:

4-156GIt77

प्ररूप घाई०टी०एन०एस०---

यायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>ष्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 जून 1977

निर्देण मं० सी० एच० डी०/ ७९/७६-७७-अतः मुझे, ई० के० ध्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त धाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० एम० सी० एफ० नं० 9, सैक्टर 27-सी० चन्डीगढ़ है तथा जो सैक्टर 27-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी। के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1977। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया ग<mark>या प्रतिफल, निभ्नलिखित</mark> उद्देश्य से उक्त धन्तरण शिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; यौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा(1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रणीत्-

- श्री बी० एस० साहनी पुत्र श्री डी० ग्रार० साहनी नियासी खुशनिकेतन सिविल लाईनज लुधियाना (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री राम सरन वास पुत्र श्री दल चन्द
- (ii) श्रीमित प्रोमिल्ला भाटेजा पत्नि श्री राम सरन दास नवासी मकान नं० 212 सैक्टर 18 ए चन्डीगढ़ (श्रन्तरिती) को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के फास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवीं का, जो उक्त अधिनियम के ध्रव्याय 20-क में परिचाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में विमा गया है।

अनुसूची

ए० सी० एफ० न० 9 सैक्टर 27 सी०, चन्द्रीगढ़।. (संम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी घन्डीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1375 फरवरी 1977 में लिखा है।

> ई० के० कोशी, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारी**ख** 28 जून 1977 मोहरः प्ररूप आर्ड० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज रोहतक

रोहनक, दिनांक 28 जून 1977

निर्देश सं० मी० एच० डी० / 82 / 76-77—- ग्रतः मुर्से ई०के० कोशी,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सपित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक है

सीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1302 सैक्टर 34 सी०, चन्डीगढ़। है तथा जो सैक्टर 34-सी०, चन्डीगढ़ में स्थित है (सौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, धव, उक्त धिविषम की धारा 269म के धनु-सरण में, में, उक्त धिविषम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—

- 1. श्रीमत्ति विद्या कौर पत्नि सर्वर्गाप श्री णिव दर्शन सिंह, मारफत श्री रतन सिंह ऐडवोकेट, मकान नं० 61, सैक्टर 8 बी, चन्डीगढ़ । (श्रन्तरक)
- 2. श्री निगन्दर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, मकान नं० 3063, मैक्टर 20-डी० चन्डीगढ़ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जमत संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी यिनितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत रथावर संपत्ति में हित-बद किसी ग्रन्य व्यक्ति हारा ग्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पर्वों का, जो जक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20क में परि-भाषित हैं, वहीं धर्ष होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 1302, मैंक्टर 34-सी ० चन्डी गढ़। (सम्पत्ति जैसे कि रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी चन्डी गढ़ कार्यालय के रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 1458 करवरी 1977 में लिखा है।

> ई० के० कोणी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज रोहतक

तारीख 28 जून 1977 मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 28 जून 1977

निर्देश सं० सो० एच० डी०/84/76-77--अतः मुझे, कोशी धामकार श्रधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त श्रधितियम' कहा गया है), की धारा 260-छ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1289, सैक्टर 34 सी० चन्डीगढ़ है तथा जो सैक्टर 34-सी०, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ प्रतुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1977 पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल्ल के लिये, अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल्ल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में यास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने मेसुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रीक्षनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीक्षनियम, या धन-कर श्रीक्षनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण, में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रयांत :---

- श्रीमति सरोज सच्देवा, विधवा श्री रमेश सच्देवा निवासी बी०-4/272 मोहल्ला बन्दियां, लुधियाना (ग्रन्तरक)
- 2. श्री शोरी लाल कुमार पुत्र श्री करतारचन्द नियासी मकान नं० 3415 सैंक्टर 27-डी० धन्डीगढ़ (अन्तरिती)

को ^{यह} सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **ग्रर्जन के** लिये कार्यवाहियां करता हूं।

टक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रवाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से विस्ती व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: हसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिक्षित्यम, वे श्रध्याय 20-क मे यथा-परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनु सुची

रिहायणी प्लाट नं० 1289 सैक्टर 34-सी०, चन्डीगढ़। (संम्पत्ति जैसे कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय में रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1551 फरवरी 1977 में लिखा है।

> ई० के० कोगी, स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक भ्रायकर **भ्रायुक्त (निरीक्षण)**, श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 28 जून 1977

मोहर :

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ছাচিনিযম, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्त्रय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 जून 1977

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1 1209 (576)/1-1/76-77—यतः मुझे, एस० सी० परीख, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत प्रधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-म के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मधिक है भौर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 233, सब प्लाट नं० 16, टी० पी० एस० 20, है, जो कोचख एच० एल० कालेज आफ कोमर्स के पास अहमदाबाद, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्चनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 16-12-1976 की पूर्वाह्न से सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए की गई है श्रीर मुझेय विश्राब करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत भ्रधिक है भौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः मय उक्त ध्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ध्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित म्यक्तियों, प्रयीत्:—

- (1) श्री जस भाई उमेदभाई पटेल नवरंगपुरा, ग्रहमदा^{बा}द (श्रन्तरक)
- (2) श्री रामजीभाई तपर्साराम बजाज, कापड़ मारकेट के पाम, ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी **ख से**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्व्यक्तिरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अ**नु सूची**

एक दो मंजिला मकान जो 250 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका एफ० पी० नं० 233, सब प्लाट नं० 16 टी० पी० एस० नं० 20 है तथा जो एच० एल० कोलेज श्रोफ कामर्स के पास कोचख नवरेंगपुरा, श्रहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 16-12-1976 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 19194 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद

तारीख 26-6-1977 मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांकः 25 जून 1977

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1209(577) 1-1/76177
----यतः मुझे, एस० सी० परीख,

धायकर प्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 233, ग्रब प्लाट नं० 16, टी० पी० एस० नं० 20, है, जो कोचख, एच० एल० कोलेज श्राफ कोमर्स के पास, श्रहमदाबाद, में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्री-कारण श्रधिनियम, 1961 (1908 का 16) के श्रधीन 16-12-1976।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः सन, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, प्रयात्:—

- (1) श्री जशभाई उमेदभाई पेटल, नवरंग पुरा, ग्रहमद्भः बाद। (ग्रन्तरक)
 - (2) ईश्यरचंद मुरारीलाल गुप्ता, काल्पुर श्रहमदाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 ्रिवन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में
 हिसबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धान्नोहस्साक्षरी के
 पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्स अधिनियम के मध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

धनु सूखी

ए० दो मंजिला मकान जो 353 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका एफ० पी० नं०, 233, सब प्लाट नं० 16, टी०पी० एस० नं० 20, कोचख, श्रहमादाबद । तथा जिसका पूर्ण वर्णन 16-12-1976 वाले बिक्री दस्तावेज के 1093/76 में दिया गया है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-^I, अहमदाबाद

तारीख 25-6-1977 मोहर: प्ररूप ग्राई ० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 जून 1977

भौर जिसकी सें० मर्वे नं० 405-बी० जो है, डा० या क्रिक रोड, राजकोट में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजकोट, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1961 (1908 का 16) के ग्रिधीन 20-1-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है, भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिक्षितयम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रय, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री लाभशंकर वजेशंकर विवेदी, "समीर" डॉ॰ याज्ञिक रोड, राजकोट । (अन्तरक)
- (2) श्री जयसुखलाल केशवलाल **बखा**ड़ा 29, करन परा, राजकोट । (ग्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अ्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"जसदिन' नाम की श्रवल सम्पति जो 305-5-0 वर्ग गज भूमि के सहित है, तथा जिसका सर्वे नं० 405 बी पैकी, सनद फार्म "ए" है, तथा जो डां० याजिक रोड पर राजकोट में स्थित है, तथा जिसका पूण वरणन, राजकोट की रजिस्ट्री झांफिस के जनवरी 77 वाले बिकी दस्तावेज नं० 149 में दिया गया है।

एस० सी० परीख, स**क्षम** प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाक्*ल*म ।

तारीखा: 25-6-1977

मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम,1961 (1961 का 43) की धारा 269६(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहापक धायकर धायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज अहमदाबाद, श्रहमदाबाद, दिनांक 29 जून 1977

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1269 (579)/11-1/76-77—यत: मुझे, एस० सी० परीख,

मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 371/1, मजेवारी गेट के बाहर, है, जो जूनागढ़ राजकोट रोड, जूनागढ़, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), जिस्ट्रीकरण ग्राधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1961 (1908 का 16) के श्राधीन 3-2-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ध्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएथा, छिपाने में मुविधा के लिए;

मतः श्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:~

- (1) सलबिन रमणीकलाल पारेख तथा अन्य महालक्ष्मी । मंदिर के सामने, जूनागढ़ (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रवीणचंद्र वल्लभदास माह तथा ग्रन्थः रहेठाण फल्पा, जूनागढ़ (ग्रन्तरिती)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या सत्सम्बन्धी क्यविसयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 क्यवितयों में से किसी व्यवित हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितकद्व
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20 क में यथा-परिभाषित है, वही प्रयीहोगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुस्वी

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 19602 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 371/1 है तथा मजवाडी गेट के बाहर, जूनागड राजकोट हाइवे रोड पर जूनागढ़ में स्थित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जंग रेंज-I अहमदाबाद ।

तारीख: 29-6-1977

मोहर:

प्ररूप प्रार्ष० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज-I, अहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक 29 जून 1977

निर्वेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1273 (580) /11-6-76-77—यत: मुझे, एस० सी० परीख,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 10, वार्ड नं० 2 है, जो राजमहल रोड में स्थित (भौर इससे उपायद्व धनूसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा मधिकारी के कार्यालय गुन्टूर में रिजस्ट्री-करण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 31=10-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है धौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए प्रतिफल तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-भियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत भिक्षिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव उक्त प्रधिनियम, की घारा 269ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघा रा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :== 5—156GI/77

- (1) श्री भगवानदास मंगलजी राजा, 244 कालबादेवी रोड़, बम्बई (ग्रम्तरक)
- (2) ग्रमर्तलाल वल्लभवास, राजमहल रोड बेरावल (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिक्षित्यम, के शब्दाय 20 क में परिशावित है, वहीं भर्य होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

एक तीन मंजिल वाली श्रमल सम्पति जो 1000 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 10, वार्ड नं० 2, है तथा जो राजमहल रोड़ पर, बेरावल में स्थित है।

> एस० सी० परीखा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-!, अहमदाबाद ।

सा**रीख:** 29-6-1977

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रामकर **धायुक्त (निरीक्षण)** ध्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 29 जून 1977

निर्देश सं० ए सी० क्यू० 23-1-1232 (581)/5-2/ 76-77--श्रतः मुझे एस० सी० तरीख मायकर ग्रिंशनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसंमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/- ६० से मधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 680 /2, प्लाट नं० 1215, है, जो पल्लाद रोड, बोटाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बोटाद में भारतीय राजिस्ट्रीकरण म्राधिनियम 1961 (1908 का 16) के ग्रधीन 11-11-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-काल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है पीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) पीर प्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरणं से हुई किसी माय की बाबत, उक्त ध्रिष्टित्यमं, के ध्रिष्ठीनं कर देने के धन्तरक के दायित्वं में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए।

भतः भव, उक्त प्रधिनियमं की धारा 269-म के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपभारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, प्रयोत:——

- (1) श्री नटबरलाल गोविदभाई तथा, हवलदार की शेरी, बोटाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री मुर्लीघर को० ग्रोप० हाऊसिंग सोसायटी की ग्रोर से श्रीमगनलाल ऊकाभाई पटल,बोटाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शंकींग्र या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शंविध, जो भी शर्कींग्र बांचे में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबद्धीं करका: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त ग्रीधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 7045 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 680/2, प्लाट नं० 1215 है तथा को जल्पाद रोड़, बोटाद, डिस्ट्रीक्ट भावनागर में स्थित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-^I, अहमदाबाद।

तारी**ख**: 29-6-1977

कोहर ;

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयवार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज_ं कानपुर

कानपुर, दि ांक 22 जून, 1977

निर्देश सं० 578/ग्रर्चन/गा० वाद/76-77—ग्रतः मुझे, ग्रार०पी० भार्गव,

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रनुसूची के भ्रनुसार है तथा जो भ्रनुसूची के भ्रनुसार में स्थित (है भौर इसी उपाध्य भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय गाजिबाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 16-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्स ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भीधनियम' या धन-कर भीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

भतः सब, उक्त भिन्नियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त भिन्नियम, की सक्त 269-व की उप-भारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात्:--

- 1. श्री अयप्रकाश, ईश्वर, गजराज पुत्रगण रतन लाल निवासी ग्रा सारा डा० खास परगना जलालाबाद त० जिला गाजियाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रमेश जन्द व श्रोम व वलेवर पुत्र गण (दुलीचन्द त्यागी नि० ग्राम सारा डा० खास प० जलालाबाद त० जिला गाजियाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्शन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर स्कत स्थावर सम्पक्ति में हितबद्धः
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरं :--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त श्रिश्वित्यम के श्रष्टयाय 20-क में यदा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

मजल सम्पति खसरा नं० 417, 5 बीघे उन्नीस विस्से नौविस्वासी ग्राम सारा परगना जलाक्षाबाद शहसील गाजियाबाद में स्थित है तथा 20,612) रुपये में हस्तान्तरित हुई है।

> आर० पी० भार्गव, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, कानपुर ।

तारी**ख**: 22-6-1977

मोहर:

प्ररूप माई० टी० एन० एस० -

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जून 1977

निर्वेश सं० 2 गाजियाजाव/ग्रर्जन/76-77/1499--ग्रतः मझे ग्रार०पी० भागेय,

बायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्पए से ग्राधिक है

और जिसकी सं० धनुसूची के धनुसार है तथा जो धनुसूची के धनु-सार में स्थित है (धौर इससे उपायद धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता धिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण घितियम, 1908 (1908 का 16 के धितीन, तारीख 25/11/76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट्र प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उसत भविनियम, के भ्रष्टीन कर देने के अन्तरक के दागित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को; जिन्हें भारतीय घाय-कर घधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घधिनियम या घन-कर घधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शत: भव, उक्त भिविषयम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भविषयम की धारा 269-ग की उपवारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात:—

- श्री मुस्ताक पुत्र श्री मीरदाद नि० ग्राम त्योडी सातिबस्वा
 रपोडीतरह निस्ता परगना जलालाबाद त० गाजियाबाद
 जिला मेरठ।

 (श्रन्तरक)
- 2. श्री धाबीद हसन व श्री धब्दुल वाहिद पुत्र गण श्री मोहम्मद याकृष नि० स्थोडी सात विस्वा डा० त्योडी तेरह विस्वा परगना जलालावाव त० गाजियाबाव जिला मेरठ (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिह कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

मनुसूची

श्रचल सम्पत्ति संख्या 226 में से 5 बीमा जो कि ग्राम त्योडी सात विस्वा परगना जलाला वाद त० गाजिया वाद जिला मरठ में स्थित है जो कि 39,500 रुपया में हस्तान्तरित की गयी है।

> पी० ग्रार० भागैव सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज कानपुर

दिनांक 22 जून 1977

मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जून 1977

निर्देश सं० 4/गाजियायाद/76-77/1500—-म्रतः मुझे भार०पी० भार्गेव,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करमे का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सूची के श्रनुसार है तथा जो सूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-11-1976।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बिच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- बिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त धि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपन्नारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रणीत्:-

- श्रीमती कृष्णावती पत्नी श्री मंगतिवासी ग्राम खिन्दीड़ा का० खास प० जलालाबाद त० गाजिया बाद जिला मेरठ।
 (भ्रन्तरक)
- 2. श्री गंगा दास व श्री हरशनशर्मा पुत्र गण श्री शेरसिंह नि० ग्राम नातौर डा० धौलड़ी प० जलालाबाद त० गाजियाबाद जिला मेरठ। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाक्रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घडोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के झध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही झर्च होगा जो, उस झध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जो कि भूमि चक नं० 67 जिसका क्षेत्रफल वाहर वीधा सत्तरह विस्वा तेरह विस्वासी ग्राम मन्डौला प० लोनी त० गाजियाबाद जिला मेरठ में स्थित है ग्रौर जो कि 84000/ र० मे हस्तान्तरित की गई है।

> भ्रार० पी० भागेवा सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण); भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-6-1977

मोहर:

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०-

मासकर प्रधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जून 1977

निर्वेश सं० 518/मेरठ/अर्जन/76-77/1442---असः मुझे द्यार०पी० भागेवा, भायकर भश्निनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन

संसम्ब प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो सूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में , रजिस्ट्रीकरण ग्र्धिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-10-

1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिलित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। मीर/मा
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी ब्रम या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धम कर प्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिली द्वारा प्रकट महीं किया गया थाया किया भाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब उक्त समिनियम की घारा 269-ग के समुसरण में; मैं, उस्त शिवितयम की शारा 269-थ की उपधारा (1) के धधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, प्रयोद् :---

1. श्री भारत दास पुत्र गन्डा राम नि० देव पुरी मरठ ' मुखता राम श्री राम सरन पुत्र सगवा सिंह नि ढाढर वाड़ा मेरठ कृष्ण रानी पत्नी वलदेव राज नि० टोपछी वाड़ा मेरठ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सोहन लाल पुन्न चरन दास हाड़िया नि० मुजफफर नगर श्रीमती कौशल्या पत्नी राम दास नि० वेरि पुरा मुजफफर नगर स्वर्ण लता पत्नी भरत भूषण हरी सिंह नलवा स्ट्रीट देहली भौर श्रीमती सुमन परनी एन० म्रार० सचदेवा वाग पत मेरठ। (भ्रन्तरिती)

को सङ्क्षुत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जत के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त मधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्राचल सम्पत्ति खसरा नं० 1580 जिस की एरिया 1 वीधा 13 विस्वा जोकि मधुवन कालोनी वागपत रोड मेरठ जिसका हस्सातंतरण 1,35,000 में हुमा है।

> म्रार० पी० भागैवा सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 25-6-1977

मोहर:

प्रारूप आई०टी० एन० एस०————श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ध (1) के श्रिधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 28 जून 1977

निर्देश सं अर्घ ए० सी०/एक्य ०/1 एस० आर० 3/1168/ द्मम् ०-2/(5)/76-77--- प्रतः मुझे जे० एस० गिल, भागकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है भीर जिसकी सं० एस०-185 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित शहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिवित्यम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनयम या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः पन उनत श्रधिनियम, को धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीम निम्नलिखित क्यन्तियों, धर्यातृ:--

- 1. श्री नवराज क्वाक्षा पुत्र स० प्रीतम सिंह क्वाक्षा निवासी के-25 होज खास इन्कलेव नई दिल्ली श्रीर श्रीमत्ती कान्दला कवल निवासी के-25 होज खास नई दिल्ली द्वारा प्रिटारनी नवराज क्वाक्रा (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित विद्यायावसी साहनी पत्नी स्व० श्री रघवीर साहनी निवासी एस०-185 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्णन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिस की धविध या तस्सबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तांनील से 30 दिन की श्रवधि,
 ओ भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति
 द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता- क्षरी के पास खिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भंडयाय 20-क में यथा-परिकाषित है, वहीं भेषें होगा, जी उस भंड्याय में विया गया है।

अनुसुची -

फ़ीहोल्ड प्लाट पर वनी जायदाद नं० एस०-185 जिसका क्षेत्रफल 140 वर्गगण है जो कि ग्रेटर कैलाग-2 नई दिल्ली में है।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-दिल्ली, नई विल्ली-1

तारीख 28-6-77 मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1977

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जुलाई 1977

सं० एफ० 9/7/76-प० I (ख)—दिनांक 9 प्रक्तूबर, 1976 को भारत के राजपत्न के भाग III खण्ड I में प्रकाशित संग्र लोक सेवा ग्रायोग के नोटिस संख्या 9/7/76-प० I (ख) दिनांक 9 ग्रक्तूबर, 1976 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे:—

(i) नोटिस का पैरा 1 इस प्रकार पढ़ा जाए :---

"नियम 3 (क) में ऊपरी म्रायु सीमा 45 वर्ष से 50 वर्ष तक बढ़ाते हुए भारत के राजपन्न दिनांक 16 जुलाई, 1977 में प्रकाशित गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) की म्रधि-सूचना द्वारा यथा संशोधित भारत के राजपन्न दिनांक 9 मन्तूबर, 1976 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के मनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवामों के मनुसार नीचे पैरा व में भीर लोगों को सम्मिलत करने के लिए संघ लोक सेवा मायोग द्वारा बम्बई, कलकता, विल्ली, मदास, नापपुर, भीर विवेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 24 नवम्बर, 1977 से एक सम्मिलत सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग, यदि चाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान ग्रथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (देखिए अनुबंध II पैरा 9)।"

(ii) नोटिस के पैरा 3 के नीचे ध्यान हैं में 9 वीं पंक्ति में ग्राए हुए "31 मक्तूबर, 1977" शब्दों भीर मंकों के स्थान पर "15 जून, 1978" शब्द भीर मंक होंगे। (iii) नोटिस के पैरा 5 के नीचे निम्नलिखित उप-पैरा जोड़ दिया जाएगा।

"जिन जम्मीदवारों की भ्रायु 45 वर्ष से ऊपर है, पर 50 वर्ष से कम है थ्रीर जो कार्मिक भ्रीर प्रशासिनक सुधार विभाग की श्रीधसूचना सं० 5/38/76-सी॰ एस॰ (I) दिनांक 16 जुलाई, 1977 द्वारा संशोधित सम्मिलत सीमित विभागीम प्रतियोगिता परीक्षा, 1977 के नियमों के अनुसार पान्न हो गए हैं, जनके श्रावेदन-पन्न 22 श्रगस्त, 1977 (विदेश स्थित या श्रंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वालों के लिए 5 सित-म्बर, 1977) तक स्थीकार कर लिए जाएंगे।"

"ह्यान दें 1:--1-1-1977 को 45 वर्ष तक की आयु वाले जिन उम्मीदवारों ने पहले ही भावेदन-पन्न भेज दिए हैं, उन्हें पुनः भावेदन करने की आवश्यकता नहीं है।"

"**ध्याम वें 2**:— 1-1-1977 को 45 वर्ष तक की भ्रायु वाले उम्मीदवारों से नए <mark>श्रावेदन-पन्न</mark> स्वीकार न**हीं** किए जाएंगे।"

(iv) नोटिस के झनुबंध II के पैरा 2 (II) के नीचे उप-पैरा 3 के बाद निम्नलिखित परन्तुक जोड़ दिया जाएगा।

''बशर्तों कि उम्मीदवार कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग की प्रधिसूचना संख्या 5/38/76-सी॰ एस॰ (I) दिनांक 16 जुलाई, 1977 के भनुसार पाल हो गया है और जो विवेश में या ग्रंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहा है। इस संबंध में ग्रायोग यदि चाहे तो उससे इस ग्राज्य का प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 22 ग्रास्त, 1977 से पहले की किसी तारीख से विदेश में या भंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहा था।"

(v) नोटिस के प्रनुबंध II के पैरा 3 के नीचे नोट की पंक्ति 12 में प्राए हुए "सितम्बर, 1977" शब्दों तथा शंकों के स्थान पर "मई, 1978" शब्द तथा ग्रंक होंगे।

> म्रार० एस० गोयल, उप-सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st May 1977

No. A. 32013/3/76-Admn.l.—In continuation of this office notification of even number dated 7.5.77 the President is pleased to appoint Shri M. S. Thanvi, an officer of the Indian Revenue Service (Income Tax) as Deputy Sectetary in the Office of the Union Public Service Commission for a further period from 9.5.1977 to 30.6.77 or until further orders, whichever is earlier.

The 7th June 1977

No. A. 32013/1/76-Admn.f.—The President is pleased to appoint Shri Anilendu Gupta, a peramanent officer of the Grade I of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the selection grade of the service as Deupty Secretary for the period 16.5.1977 to 30.6.1977 or until further order, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE Under Secy.

New Delhi-110011, the 31st May 1977

No. A. 32014/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. Sundaram, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely temporary and ad-hoc basis for a period of 68 days with effect from 25.5.77 to 31.7.1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJFE Under Secy. (Incharge of Administration)

New Delhi-110011, the 22nd June 1977

No. A. 11013/2/74-Adm. II.—In continuation of the Union Public Service Commission notification of even number date 125-3-1977, the Adviser, Union Public Service Commission hereby appoints the following permanent Section "Officers/Assistants of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis as Section Officer (Spl.) in the Commission's office for a further period of two months with effect from 1-6-1977 or until further orders, whichever is earlier:—

S. No.	Name			, ,	Post held in CSS cadre
1. Shri B. S	S. Jagopota				Section Officer
2. Shrl R.	N. Khurana				Section Officer
3. Shri S. S	Srinivasan				Section Officer
4. Shri S.		•	,		Assistant
5. Shri G.	V. Mathur				Assistant

2. The appointment of the aforesaid officers as Section Officers (Section Officers) will be on departation and their pay will be regulated in necondance with the provisions contained in the Ministry of Finance O. M. No. F. 10 (24)-E. 111/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE Under Secy. for Advisor

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 23rd June 1977

No. O-II-15/74-ESTT/PERS-IV.—The President is pleased to appoint Shri S. M. Ghosh, an officer of the Indian Police Service of Bihar Cadre, presently on deputation to the C.R.P.F. as I.G.P., to the post of Director General, CRPF.

Shri Ghosh, handed over charge of the post of IGP S/II, CRPF, at Delhi on the forenoon of Ist June, 1977 and took over charge of the post of Director General, CRPF on the forenoon of the same day.

C. CHAKRABARTY Director

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 25th June 1977

No. O. II-1046/76-Estt.—The Director General C.R.P.F., is pleased to appoint Dr. Koshy Eapan, as Junior Medical Officer in the C.R.P.F., on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 18th June, 1977 or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is carlier.

No. O. II-1061/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Mohan Charan Sethi, as General Duty Officer, Grade II (Dy. S. P./Coy. Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9th June, 1977 until further orders.

No. O. II-1064/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Kulbhushan, General Duty Officer, Grade-I (Asssistant Commandant) in the C. R. P. F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17th June, 1977 until further orders.

No. O.II-1065/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Lalit Kumar Shrivatri, as General Duty officer, Grade II (Dy. S. P./Coy. Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th June. 1977 until further orders.

The 29th June 1977

No. O.II.1063/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Suresh Kumar Bagdi, as General Duty Officer, Grade-II (Dy. S.P./Coy Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the afternoon of 14th June, 1977 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY Asstt. Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 16th June 1977

No. E-38013(3)/2/77-Pers.—The President is pleased to appoint Shri N. C. Sen Gupta to officiate as Asstt. Commandant CISF Unit Haldia Dock Project on ad-hoc basis and assumed the charge of the said post with effect from the forenoon of 9th May 1977.

L. S. BISH'I Inspector General

MINISTRY OF FINANCE DEPTT, OF ECONOMIC AFFAIRS

Dewas, the 4th June 1977

No. BNP/E/8/N-6.—Shui M. Lakshminarayana, a permanent Inspector Control who was officiating as Deputy Control Officer on ad-hoc basis w.e.f. 4.6.76 in the Bank Note Press, Dewas is reverted to the post of Inspector Control w.e.f. the afternoon of 29th May 1977.

P. S. SHIVARAM General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 25th June 1977

No. Admn.1/2(1)/V/1286.—The A.G.C.W.& M: New Delhi has been pleased to appoint Shri K. R. Batra while on F.S. with Delhi Development Authority New Delhi to Officiate in Accounts Officer cadre in his office in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30-4-77 (FN) under N.B.R. till further orders on provisional busis.

2. The A.G.C.W.& M: New Delhi, has also been pleased to appoint Shri M.L. Salwan, while on deputation with the Badarpur Thermal Project, Badarpur to officiate as Accounts Officer in his office in the scale of Rs. 840—40—1000—EB 40—1200 with effect from 1.6.77 (FN) under NBR till further orders on provisional basis.

S. S. MANN Dy. Accountant General (ADMN.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 22nd June 1977

No. E.B.I/3-312/77-78/110.—The Accountant General, Andhra Pradesh-1, has been pleased to promote Sri K. George a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 18-6-1977 until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. R. MUKHERJEE,

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR, (LOCAL AUDIT WING), RANCHI.

THE EXAMINER OF LOCAL ACCOUNT, BIHAR, RANCHI.

Ranchi, the 25th June 1977

Memo No. L.A.-Admn. I-Estt.I-1905.—The Accountant General, Bihar I Ranchi has been pleased to promote Shri S. N. Lal Das. a substantive Section Officer (Audit) of Local Audit Wing to officiate as an Asstt. Examiner of Local Accounts. Bihar with effect from the 22nd day of June, 1977 (F.N.) until further orders.

No. L.A.Admn. I-Estt. I-1911.—The Accountant General, Bihar I Ranchl has been pleased to promote Shri Laxman Das, a substantive Section Officer (Audit) of Local Audit Wing to officiate as an Asstt. Examiner of Local Accounts, Bihar effect from the 22nd June, 1977 (F.N.) until further orders.

No. L.A.Admn. I-Estt. I-1917.—The Accountant General, Bihar I Ranchi has been pleased to promote Shri Birendra Prasad Verma, a Substantive Section Officer (Audit) Local Audit Wing to officiate as an Asstt. Examiner of Local Accounts, Bihar with effect from 22nd June, 1977 (F.N.) until further orders.

V. RAMANATHAN Examiner of Local Accounts, Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MAHARASHTRA-L

Bombay-400 020, the 27th June, 1977

No. Admn. I/Genl./IAD/31-Vol. III/2—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay, is pleased to appoint the following members of the S. A. S. to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the dates mentioned against each of them until further orders.

(i) Shri G. S. Bhide .		10-6-1977 (F.N.)
(ii) Shri P. G. Nagarkar		8-6-1977 (F.N.)
(iii) Kum. S. G. Doo		8-6-1977 (A.N.)
(iv) Shri B. N. Padhye .		8-6-1977 (A.N.)

SMT. R. KRISHNAN KUTTY Sr. Dy. Accountant General/Admn.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCF FACTORIES HEALTH SERVICES DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORII'S

Calcutta-700016, the 21st June 1977

No. 23/77/G.—The President is pleased to appoint Dr. B. R. Chaudhuri, Offg. DADGOF/Med. as Offg. Principal Medical officer on ad-hoc basis w.e.f. 27th Sept. 1976 until further orders.

The 23rd June 1977

No. 27/77/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Ty. Assistant Manager/TSO with effect from the dates shown against each, until further orders:—

I. D.: Abhijit Parkayastha	10th Dec., 1976
2. Shri Chandrasekharapuram Swaminath, Ramanathan	6th Dsc., 1976
3. Shri Kollamparampil John Kuruvilla	6th Dec., 1976
4. Shri Sudhin Kumar Ray	11th Apl., 1977
5. Shri Mathalamoet Gopalakrishnan	3rd Jan., 1977
6. Dr. Satyakinkar Desmukh .	1st Dac., 1976
7. Shri Ramkrishna Vishwanath Vaidya	11th Jan., 1977
8. Shri Prabhu Savlaram Kamble .	2nd Dec., 1976
 Shri Churamoni Mridha 	1st Dec., 1976
10. Shri Christ Mukty Prasad Kujur	24th Nov., 1976

The 24th June 1977

No. 28/77/G.—The President is pleased to appoint Shri P. L. Jalota, permt General Manager, Grade II as offg. DDGOF, Level-II with effect from 15th October, 1976 (FN).

M. P. R. PILLAI

Asstt. Director General, Ordnance Fys.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 21st June 1977 IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1149/76-Admn(G)/4373.—The President is pleased to allow Shri Swaran Singh Stenographer Grade 'B' (ad hoc) to continue as Stenographer Grade 'B' on temporary with effect from the 30th April, 1977 (AN), until further order.

No. 6/1166/77-Admn(G)/4367.—The President is pleased to allow Shri M. L. Bassi, Stenographer Grade 'B' (ad hoc) to continue as Stenographer Grade 'B' on temporary basis with effect from 30th April, 1977 (AN) until further order.

The 23rd June 1977

No. 6/302/55-Admn(G)/4421.—The President is pleased to appoint Km. S. K. Grewal, Dy. Chief Controller of Imports and Exports (Non-CSS) as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi purely on ad hoc and temporary basis for the period from 1st February 1977 to 30th June 1977 or till the regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. 6/1018/75-Admn(G)/4440.—On attaining the age of superannuation Shri D. R. Khatri, an officer officiating in the Section Officer's Grade of the CSS, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st May, 1977.

A. S. GILL

Chief Contoroller of Imports and Exports.

New Delhi, the 25th June 1977

No. 3/1/76-Admn(G)/4515.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints the following officers nominated by the Union Public Service Commission as Controller of Imports and Exports Class II (Non-CSS) in this office in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20th June, 1977 until further orders:—

- 1. Shri S. Raja Sekhar
- 2. Shri B. C. Bagchi
- 3. Shri T. K. Chaudhury

- 4. Shri S. R. Dadu
- 5. Shri M. H. Gururaja Rao
- 6. Shri N. N. Ghosh
- 7. Shri D. S. Mongia
- 8. Shri K. M. Natarajan
- 9. Shri S, K. Venkateswaran
- 10. Shri S. Narayanan Nair
- 11. Shti M L. Bhutani
- 12. Shri K. K. Roy
- 13. Shri Ashok Bansod
- 14. Shri C. V. Nivalarajan
- 15. Smt. Maya Devi Kom
- 16. Shri S. L. Gade
- 17. Shri Surat Singh
- 18, Shri B. R. Kawat
- 2. On appointment as Controller of Imports and Exports the above-mentioned officers will draw their pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200.

A. T. MUKHERJEE,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 23rd June 1977

No. A-1/1(414)II.—The President is pleased to appoint Shri Har Narain, Assistant Director (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on ad hoc basis as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 6th June, 1977 and until further orders.

KIRAT SINGH,

.

Deputy Director (Administration)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 23rd June 1977

No. E-11/(7),—In this Department's Notification No. E-11/(7), dated the 11th July 1969, as amended from time to time, add the following namely:

Under Class-6 Division-3

1. Add "COAL DELAY DETONATORS" beforee the entry "DELAY DETONATORS RELAYS".

I. N. MURTY, Chief Controller of Explosives.

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 21st June 1977

No. 40/59/C/19A.—Shri Anantadeb Mukherjee, Superintendent, Geological Survey of India has been appointed by the Director General, Geological Survey of India on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on ad hoc basis with effect from the forenoon of 1st June 1977 until further orders vice Shri B. M. Guha, Assistant Administrative Officer, Coal Division, Geological Survey of India, Calcutta on leave.

S. V. P. IYENGER, Deputy Director General (CHQ).

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 21st June 1977

No. A-19011(40)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Krishna Kumar, Deputy Controller of Mines, Indian Burcau of Mines to officiate as Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the torenoon of 8th June, 1977, until further orders.

No. A 19011(21)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri B. C. Mishra, Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to Officiate as Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th June, 1977, until further orders.

No. A-19011(90)/75-Estt.A.—Dr. A. K. Ray, Permanent Assistant Ore Dressing Offleer, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Deputy Ore Dressing Officer in Group 'A' post in Indian Bureau of Mines on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 1st June, 1977 until further orders.

No. A-19012(91)/77-Estt.A.—Shri R. N. Foshta, Permanent Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is promoted to officiate as Assistant Research Officer (Ore Dressing) in Group 'B' post in Indian Bureau of Mines on ad hoc basis with effect from the forenoon of 7th June, 1977 until further orders.

No. A-19012(92)/77-Estt.A.—Shri S. C. Srivastava, permanent Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is promoted to officiate as Assistant Chemist in Group 'B' post in the Indian Bureau of Mines on ad hoc basis with effect from the forenoon of 7th June, 1977 until further orders.

SURESH CHAND, Head of Office Indian Bureau of Mines.

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE JDIRECTORATE OF NONFORMAL (ADULT) EDUCATION]

New Delhi, the 29th June 1977

No. F. 5-6/77-DNFE.—On transfer on deputation from Ministry of Education & Social Welfare Shri S. P. Arya is appointed to officiate as Hindi officer in the Directorate of Nonformal (Adult) Education, New Delhi, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 w.e.f. 4-6-1977 (A.N.) for a period of one year.

D. N. SAKSENA, Director

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 24th June 1977

No. F. 11-14/76-A.1.—Shri Surinder Singh Rekhi, Asstt. Archivist Grade-I (General) is appointed to officiate as Archivist (General) (Group B-Gazetted) on purely ad hoc basis w.c.f. 17-6-1977 (F.N.) and until further orders. This ad hoc appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

DR. S. N. PRASAD, Director of Archives

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 24th June 1977

No. F. 70-21/77-Fstt./15883.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri A. K. Bose, Office Superintendent in the Zoological Survey of India is appointed to officiate as Junior Administrative Officer in the same Department with effect from 20th June, 1977 (forenoon) in the scale of pay of Rs. 650—1200, until further orders.

Dr. T. N. ANANTHAKRISHNAN,
Director

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 23rd June 1977

No. 4(19)/76-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Roop Krishen Bhat as Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity with effect from the 31st May, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ, Deputy Director of Administration for Director General

New Delhi, the 28th June 1977

No. 10/39/77-SIII.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri I. Thammayya to officiate as Assistant Engineer at High Power Transmitter, AIR, Chinsurah with effect from 21-5-77 (F.N.).

HARITT SINGH, Deputy Director of Administration for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 27th June 1977

No. A. 22012/1/77-Admn.l.—The President is pleased to appoint Shri H. K. Kawatra, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the C.S.S. to officiate in Grade I of the C.S.S. for a period of 45 days with effect from the forenoon of the 6th June, 1977 or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

The President is also pleased to appoint Shri H. K. Kawatra as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above period.

No. A. 32014/5/77(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Sarvshri V. R. Mainkar and Surinder Kumar to the posts of Technical Officer in the Central Drugs Standard Control Organisation of the Directorate General of Health Services with effect from the 13th May, 1977 (Forenoon) and 3rd June, 1977 (Forenoon), respectively, in a temporary capacity and until further orders.

S. P. JINDAL. Deputy Director Administration (O. & M.)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 17th June 1977

No. F. 2(11)/76-Estt.1.—Shri N. Sivaramakrishnan, Asstt. Extension Officer (Grade II) is promoted to officiate as Asstt. Exhibition Officer (Grade I) Group 'B' (Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture) purely on ad hoc basis with effect from 9th June, 1977 to 16th July, 1977.

No. F. 2(11)/77-Estt.l.—Shri P. B. Dutta, Senior Artist is appointed to officiate as Assistant Exhibition Officer (visual) Group 'B' (Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture and Irrigation (Deptt. of Agriculture) purely on ad-hoc basis with effect from 17th June, 1977 to 28th February, 1978.

N. K. DU'ITA, Director of Administration

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION Faridabad, the 23rd June 1977

No. F. 4-5(45)/75-A.III.—The services of Shri Nattha Ram, Marketing Officer, of this Directorate, are placed at the disposal of National Cooperative Development Corporation for appointment as Deputy Director on foreign service terms for a period of one year with effect from 31-5-1977 (A.N.).

No. I. 4-5(83)/77-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri G. K. Upadhyaya, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group II) in the pay scale of Rs 650—1200 at New Delhi, with effect from 9-5-1977 (F.N.), until further orders.

On his appointment as Marketing Officer, Shri Upadhyaya relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at New Delhi in the forenoon of 9-5-1977.

The 27th June 1977

No. F. 4-6(54)/74-A. III.—Consequent on his selection to the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports through the Union Public Service Commission, Shri S. K. Dadu, Assistant Marketing Officer, in this Directorate at New Delhi, has been relieved of his duties in this Directorate with effect from the forenoon of 20th June, 1977.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Advisor

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PFRSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 24th June 1977

Ref. V/415/Med/Estt.I/2354.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Smt. Roshan Burjor Mistry, a permanent Sister and officiating Asstt. Matron to officiate as Matron, in this Research Centre from 23-5-77 (F.N.) to 2-7-77 (A.N.) vice Smt. T. R. Valsangkar, Matron, granted leave.

M. K. S. SUBRAMANIAN, Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 3rd June 1977

No. DPS/A/32011/3/76/Est./11226.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Enery appoints Shri Karuyathil Ruveendran, a temporary Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from May 5, 1977 (F.N.) to June 10, 1977 (A.N.) vice Shri K. P. Joseph, Assistant Personnel Officer appointed as Administrative Officer.

No. DPS/23/4/77-Fst./11191.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Chowannur Vijayan, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB —35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 16-5-1977 to 18-6-1977 vice Shri V. Krishnan, Assistant Purchase Officer granted leave.

B. G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer

Bombay-400 001 the 3rd June 1977

Ref. DPS/A/11013/64/75/Est/11288.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated March 2, 1977, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Parari Kizhakkodan Radhakiishnan Officiating storekeeper in the Stores Unit (DPS), VEC Project at Calcutta as an Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the same Directorate for a further period of three months ending August 31, 1977.

The 10th June 1977

Ref. DPS/A/32011/3/76-Est./11698.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. H. Sawant, a temporary Purchase Assistant of this Directorate to officiate as a temporary Assistant Purchase Officer on an add hoc basis, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 26-4-1977 to 4-6-1977 vice Shri M. K. Chacko, Assistant Purchase Officer granted leave.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600 006, the 9th June 1977

Ref. MRPU/200(15)/77-Adm. - The Director, Purchase and Stores Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri V. Sripatharao an officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase and Stores as Asstt. Stores Officer Central Madras Atomic Power Project Kalpakkam of Directorate of Purchase and Stores on an ad hoc basis officiating capacity with effect from the foenoon of 4-4-77 to 7-5-77.

Ref. MRPU/200(16)/77-Adm.—The Director, Purchase and Stores Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri V. Ballakrishnan an officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase and Stores as Asst. Stores Officer Central Stores Unit Madras Atomic Power Project Kalpakkam of Purchase and Stores in an ad hoc basis officiating capacity with effect from the forenoon of 2-5-77 to 18-6-77.

Ref. MRPU/200(19)/77-Adm.—The Director, Purchase and Stores Department of Atomic Energy is pleased to appoint Sbri R. Narayanan an officiating Store-Keeper in the the Directorate of Purchase and Stores as Asstt. Stores Officer Central Stores Unit Madras Atomic Power Kalpakkam of Directorate of Purchase and Stores on an ad hoc basis officiating capacity with effect from the forenoon of 5-5-77 to 18-6-77.

S. RANGACHARY Purchase Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 24th June 1977

Ref. HWPs/Estt./1/S-39/3408.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri P. S. Sundaram, a temporary Stenographers (Senior) of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project during the period from May 2, 1977 to June 4, 1977 (A.N.) vice Shri S. C. Thakur, Assistant Personnel Officer, appointed to officite as Administrative Officer, Heavy Water Project (Baroda).

T. C. SATHYAKEERTHY Senior Administrative Officer

Bombay-400 008, the 24th June 1977

No. 05052/77/3433.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Hari Krishan Rastogi, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1977, until further orders.

No. 05052/77/3434.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Digamber Vishwanath Bhokarkar, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1977 until further orders.

No. 05052/77/3435.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Raj Kumar Lakhi, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the

same project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of February 1, 1977, until further orders.

The 27th June 1977

No. 05052/77/3439.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Krishna Direndiacharya Nanjangud, a temporary Supervisor (civil) of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, in a temporary capacity, with effect rom the forenoon of February 1, 1977, until further orders.

No. 05000/M/114/3440.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri A. N. Muthuswamy, a permanent Accountant of Rajasthan Atomic Power Project, to officiate as Assistant Accounts Officer in Heavy Water Project (Tuticorin) in a temporary capacity with effect from May 20, 1977 (F.N.) until further orders.

R. C. KOTIANK. M. Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METFOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 27th June 1977

No. E(1)05826.—The Director General of Observatorics hereby appoints Shri M. L. Kala, Professional Assistant Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYSEVEN days from 6-6-77 to 31-8-77.

Shri Kala, Officiating Assistant Meteorologist, renains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. N. MANIAN

Meteorologist

for Director General of Observatories

OUFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th May 1977

No. A. 32013/13/76-ES.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Sharma to officiate as Deputy Director of Aeronautical Inspection, in the office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi with effect from the 29th April, 1977 (F.N.) until further orders.

V. V. JOHRI Assistant Director of Administration

New Delhi, the 20th June 1977

No. A. 32014/1/77-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri C. P. Gopinathan, Communication Assistant in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Communication Officer on an ad-hoc basis with effect from the 24-4-1977 (F.N.) and to post him at Aeronautical Communication Station, Hyderabad vice Shri K. C. Nair, Assistant Communication Officer granted earned leave.

P. C. JAIN Asstt. Director (Administration)

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE: OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Hyderabad-1, the 7th October 1976

HQ, PC. No. 21/76.—The names of the following persons and the particulars pertaining to them mentioned against each

may kindly be published in the Official Gazette. The publication is permitted by virtue of the provisions of Rule 3 of the Customs (Publication of Names) Rules, 1975,

"(1) Shri Kalyan Bhai Thaverchand Shah, S/o Thaverchand, Navagaon village, Udayapur District, Rajasthan,

was convicted by the IVth Metropolitan Magistrate, Hyderabad on 30-1-76 under Section 135-B of the Customs Act, 1962 and was sentenced to undergo rigorous imprisonment for six months. Shri K. T. Shah was found to have acquired possession of wrist watches of foreign origin valued Rs. 16,080/-.

(2) Shrì Abdul Sattar, S/o Moosa, R/o D. No. 1-2-587/9, Domalguda, Hyderabad was convicted by the VIth Metropolitan Magistrate, Hydera-bad on 11-2-76 and was imposed a fine of Rs. 1000/- and to undergo simple imprisonment till raising of the Court under Section 135-B of the Customs Act. He was also sentenced under Sec. 85 of the Gold (Control) Act to suffer simple imprisonment till raising of the Court and to pay a fine of Rs. 1000/- in default to suffer simple imprisonment for a period of 6 months. Shri Sattar was found in possession of 90 wrist watches of foreign origin, 15 packets of super silver gillette blades and 10 packets gillette platinum blades, 2 gold coins of 20 dollar denomination,

(3) Shri Mohd. Anwar, S/o Ismail,
23-2-318, Mogalpura, Hyderabad
was convicted by the Vth Metropolitan Magistrate, Hyderabad on 17-5-76 under Section 135-B of the Customs Act and
was sentenced to undergo rigorous imprisonment for one
year. The conviction was upheld on appeal but the sentence
was reduced to 9 months. Sri Mohd. Anwar was found in
possession of foreign fabrics worth Rs. 3845/-."

S. K. SRIVASTAVA Collector

Allahabad, the 23rd June 1977

No. 19/1977.—Shri S. A. M. Rizvi, Officiating Superintendent of Central Excise, Group 'B' posted at Jaunpur in Mirzapur Division has retired from Government service in the afternoon of 30-4-77.

No. 20/1977.—Shri K. M. L. Mathur, confirmed Inspector (S.G.) posted at Chandausi in Rampur Division & appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Group 'B' until further orders in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—E.B.—35—880—40—1000—E.B.—40—1200 vide Establishment order No. 301/1977 dated 3-12-76 took over charge of the office of the Superintendent Group 'B' in the Excise, Division, Allahabad on 23-12-76 (F.N.).

> K. S. DILIPSINGHJI Collector

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 24th June 1977

No. 16/258/76-Ests-I,-The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Hori Lal as Research Officer at the Forest Research Labora-Bangalore with effect from the forenoon of 16-5-1977 until further orders.

No. 16/110A/77-Ests-I.—Shri P. N. Nigam, Research Officer, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, expired on 30th May, 1977.

> H. B. JOSHI Kul Sachiv

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 001, the 25th June 1977

No. 25-ADMN(2)/77.—On the recommendations of the Union Public Service Commission the Director General of Shipping hereby appoints Shri Y. M. Agnihotri, permanent Superintendent in the Directorate General of Shipping, as Freight Investigating Officer, Kandla in a temporary capacity with effect from the 12th May 1977 (Forenoon) until further

> S. M. OCHANEY Deputy Director General of Shipping

SOUTH EASTERN RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE

Calcutta-700043, the 22nd June 1977

No. P/G/14/300F.—Shri P. U. C. Chowary Offg. Class-II Officer of the General Administration Branch is confirmed as Asstt. Public Relations Officer (Class-II) with effect from 30-8-1974, and allotted to the T(T)&C. Department.

> M. MENEZES. General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE (Personnel Branch)

Pandu, the 16th June 1977

No. E/55/IU/96 PII(O).—The following officers are confirmed in Class II service as Assistant Electrical Engineer with effect from the date noted against each :-

No.	Name				Date from which confirmed
	. B. Sarkar . V. Sundaram		•		5-5-76 1-12-76
		<u>.</u>		·	1-12-70

The 23rd June 1977

No. E/55/III/92 Pt. II(O).—Shri D. Singh who was appointed as a Probationer in the Signal Engineering Department of the superior Revenue Establishment of Indian Railways is confirmed in the Junior Scale with effect from 8-2-1977.

> G. H. KESWANI General Manager

OFFICE OF THE CHIEF PERSONNEL OFFICER GARDEN REACH

Garden Reach the 17th June, 1977

No. P/G/14/300F.—The following officiating Class II Officers of the General Administration Branch of this Railway are confirmed in that appointment with effect from the date noted against each. The department to which each officer is allocated is also indicated.

Sl. Nan No.	ne Confirmation againtst Class II Post	Date of Confirma- tion	Depart- ment to which allocated
I. Sri A. K. Das	Asstt. Deputy General Manager	3-3-76	Civil Engg.
2. Sri M. S. R. I	Murty Asstt. Secretary to G. M.	3-3-76	Civil Engg.

M.S. GUJRAL General Manager

Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION
DEPT'S OF LABOUR & EMPLOYMEN'T
DEPT'S OF THE WELFARE COMMISSIONER, MICAMINES LABOUR WELFARE FUND, RAJASTHAN

Bhilwara, the 2nd June 1977

No. 1/2/77-Estt. I.— Consequent upon his appointment as Accounts Officer, Mica Mines Labour Welfare Organisation, Rajasthan, Bhilwara Shri R. L. Kothari, Section Officer of the Office of the Accountant General, Rajasthan, Jaipur, assumed charge of the post of the Accounts Officer, Mica Mines Labour Welfare Organisation, Rajasthan, Bhilwara on the forenoon of 10th May, 1977.

N. L. SHARMA Welfare Commissioner

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

M/s. Debonair Limited

Hyderabad-500001, the 16th June 1977

No. 643/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Debonair Limited unless cause is shown to the controry, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN Registrar of Companies Andhra Pradesh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of "Malaimagal Funds Private Limited",

Pondicherry, the 27th June 1977

C. No. 99/76.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name "Malaimagal Funds Private Limited" has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

SEETHARAM Registrar of Companies Pondicherry

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF—INCOME-TAX

New Delhi, the 22nd June 1977

INCOME TAX

F. No. JUR/DLI/II/77-78/15861—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 123 of the I. T. Act 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-II. New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in Col 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such incomes or classes of income or cf such cases of classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in Col 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Distt./Circles
1	2
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Range-II-B, New Delhi.	
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax, Range-II-C-cum-ED, New Delhi.	
	2. Estate Daty-cum-Incometax Circle.
	3. Additional Estate Duty- cum-income-tax Circle, New Delhi.
	4. Trust Circle-111, New Delhi.
Inspecting Assistant Com- missioner of Incometax,	1. Companies Circle-XXII, New Delhi.
Range-II-D, New Delhi.	2. Contractors' Circles, New Delhi.
	3. Lawyers Circle I & II, New Delhi.
This notification shall take o	4. Trust Circles I & II, New Delhi.

JAGDISH CHAND Commissioner of Incomectax, Delhi-II, New Delhi.

(1) Smt. Lukshmi Ammal.

(2) Dr. P. Neelakandan,

('Fransfero

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
MAREFNA BUILDINGS, M. G. ROAD,
FRNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 27th June 1977

Ref. No. I.C. No. 143/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Chengazhasseri Village, Trivandrum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chalai on 24-1-77, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8 cents of land with buildings in Sy. No. 9/64 of Chengazhusseri Village, in Trivandrum.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 27-6-1977

Şeal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri H. H. Maharaja Yeshwant Rao Pawar of Dewas (Junior) Durga Bagh, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s. Prem Syndicate, 11, Tukoganj, Main Road, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 1st July 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/871/.—Whereas, I, R. K. BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

A piece of land of 20.13 acres of Durga Bagh Palace, Survey No. 43, Dewas situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on 4-11-1976

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land of 20.13 acres of Durga Bagh Palace, Survey No. 43, Dewas.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act,

in respect of any income arising from the transfer;

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

7-156GI/77

Date: 1st July, 1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 1st July 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/872/.--Whereas, I, R. K. BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land and Building at E1/165, Private Sector of Arera Colony, Bhopal situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 16-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. N. Parthasarathy S/o Shri G. C. Natrajan, R/o F1/165, Private Sector, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Kanta Sharma, Partner of M/s. Universal Industries, 2/3, Industrial Issate, Govindpura, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at F1/165, Private Sector of Arera Colony, Bhopal.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 1st July, 1977

(1) Dr. Mrs. Elizabeth Joseph.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 1st July, 1977

Ref. No. 34-V/Acq.-Whereas, J. A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

House No. 100/13, situated at Rajan Anham, Ganney Wali Gali, Gautam Budh Marg, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 22-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

(2) S/Shri Vijendra Singh, Devendra Singh, Smt. Vimla Singh, Saroj Dahiya, Asha Dahiya.

(Transferce)

(3) Dr. Mrs. Elizabeth Joseph.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EURIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house known as 'RAJAN ASHRAM' 100/13, Ganney Wali, Gautam Budh Marg, Lucknow.

> A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 1-7-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 25th June 1977

Ref. No. A-132/77-78/TSK/.—Whereas, I, Egbert Singh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 337, 339, (Old) 422, 425 & 505 new and P.P. No. 28 (Old) 73 and 75 New situated at Makum Junction, Makum, Dibrugarh, Assam

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dibrugarh on 1-12-1976

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ho Foon Leong
 - 2. Ho Kam Cheong,
 - Mrs. Mak Chau Ming F/Sri Ho Foon Leong of Mukum Junction. (Transferor)
- Smt. Bulbul Bhattacharjee
 W/o Shri Bimal Kr. Bhattacharjee
 Makum Junction Road.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) Bigha 0 Katha and 19 (Nineteen) Lechas along with a Chang Bungalow, Houses and Sheds situated at Makum Junction Town, in the District of Dibrugarh, Assam.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong

Date: 25-6-1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1977

Ref. No. CHD/48/76-77/.—Whereas, I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. SCO NO. 61, sector 30-C, situated at Chandigarh, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in October, 1976

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pran Nath Sekhri S/o Lala Gian Chand Sekhri R/o House No. 1239, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Rattan Chand S/o Pandit Ram Lal C/o SCF No. 61, Sector 30-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO No. 61. Sector 30-C. Chandigarh.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 28th June 1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMP-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1977

Ref. No. CHD/54/76/77/.—Whereas, I, F. K. KOSIII, being the competent authority under Section 269B of the Inicome tax Act, 1961 (43 of 1961), thereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

SCO No. 181, 182 Sector 17-C, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Chandigarh in October, 1976

for an apparent conderation which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri

(1) 1. Des Raj Juneja
S/o Mool Chand Juneja
2. Naresh Kumar Juneja
3. Ajay Kumar Juneja

4. Smt. Saraswati W/o Des Raj Juneja

 Smt. Sushil W/o Shri Naresh Kumar Juneja Residents of House No. 592 Sector 10-D, Chandigarh.

(Transferor)

S/Shri

- (2) 1. Darshan Singh Ahuja S/o S. Bhagwan Singh Ahuja
 - S. Harinder Singh Ahuja
 Minor sons of S.
 S. Kanwaljit Singh Ahuja
 Daushan Singh Ahuja

through their father and natural guardian S. Darshan Singh Ahuja.

Residents of House No. 56, Sector 8-A, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO No. 181-182, Sector 17-C, Chandigarh, (Property as mentioned in the Registered Deed No. 497 of October, 1976 of the Registring Otticer Chandigarh.)

E. K. KOSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 28th June 1977

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISTTION RANGE, ROHTAK

Robtak, the 28th June 1977

Ref. No. CHD/55/76-77/.--Whereas, I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 2570, Sector 22-C, Chandigrah situated at Chandisons, namely :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Chandigarh in October, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Gurdev Singh S/o Sh. Amar Singh, Resident of House No. 2005. Sector 23-C, Chandigarh,

(Transferor)

(2) 1. Shri Karam Singh \ Sons of Sh. Hazara Singh 2. Shri Avtar Singh

Residents of Village Kailon, Tehsil Kharar, Distt. Ropar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2570, Sector 22-C, Chandigarh. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 526 of October, 1976 of the Registering Officer Chandigarh).

> E. K. KOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 28th June 1977

(1) M/s. Sant Ram Bhatia HUF through Karta Shri Sant Ram Bhatia. C/o Bhatia Electricals Pvt. Ltd. Market No. 1, N.I.T. Faridabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Bhatia Electricals Private Ltd. Market No. 1, N.I.T. Faridabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th June 1977

Ref. No. BGR/13/76-77.—Whereas, I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Factory building situated on Plot No. 7A, N.H. 1, N.I.T.

Factory building situated on Plot No. /A, N.H. 1, N.I.1. Faridabad situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in October, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building situated on Plot No. 7A, N.H. 1, N.I.T. Faridabad.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3585 of October, 1976, of the Registering Officer Ballab Garh.)

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 28th June 1977

Scal:

(1) Shri Avtar Singh S/o Shri Raja Ram, Resident of 17, Industrial Area, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1977

Ref. No. CHD/62/76-77/,—Whereas, I, E, K. KOSHL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Building No. 17, Industrial Area, Chandigarh, situated at Industrial Area, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November 1976

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely:-8-156GI/77

(2) 1. Shri Wadhawa Singh Sokhi S/o Shri Saudagar Singh,

Shri Ajit Singh,
 Shri Swaran Singh,
 Shri Satpal Singh,

Sons of Sh. Wadhawa Singh

Resident of 8, Timber Market,

Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said movable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building constructed on plot No. 17 Industrial Area, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 625 of November, 1976 of the Registering Officer Chandigarh.)

E. K. KOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 28th June 1977

Seal ;

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Robtak, the 28th June 1977

Ref. No. KNL/32/76-77/.--Whereas, I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number Plot of Land situated at Railway Road, Karnal, situated at Railway Road, Karnal (and more fully) described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in November, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madan Lal S/o Shri Banarsi Dass Aggarwal Resident of Shop No. 3 Nai Mandi, Karnal.

(Transferor)

 M/s. Liberty Foot Wear Company, Railway Road, Karnal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 553 Sq. yds. situated on Railway Road, Karnal.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 11701 of November, 1976 of the Registering Officer Karnal.)

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incorne-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 28th June 1977

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HOHTAK

Hohtak, the 28th June 1977

Ref. No. KNL/33/76-77/.-Whereas, I, E. K. KOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated Railway Road, Karnal, situated at Railway Road, Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of (1908), in the office of the Registering Officer at Karnal in November, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Kailash Chand S/o Shri Banarsi Dass Aggarwal, Resident of Shop No. 3 Nai Mandi, Karnal.

(Transferor)

 M/s. Liberty Foot Wear Company, Railway Road, Karnal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 622 Sq. yds. situated at Railway Road, Karnal.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 11702 of November, 1977 of the Registering Officer Karnal.)

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 28th June 1977

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1977

Ref. No. KNL/38/76-77/.—Whereas, I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B. of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Railway Road, Karnal, situated at Railway Road, Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Karnal in November, 1976 for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kailash Chand S/o Shri Banarsi Dass Aggarwal, Resident of Shop No. 3 Nai Mandi, Karnal.

(Transferor)

(2) M/s. Liberty Foot Wear Company, Railway Road, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 553 Sq. yds. situated at Railway Road, Karnal.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 12154 of December, 1976 of the Registering Officer Karnal.)

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak.

Date: 28th June 1977

Scal:

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1977

Ref. No. CHD/69/76-77/.—Whereas, I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 2108, Sector 35-C, Chandigarh, situated at Sector 35-C, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pushpa Kumari Wd/o Captain Ramesh Chander, Resident of VPO Sadon Tehsil and Distt. Kangra (H.P.).

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Schgal I.P.S., S/o Shri Shiv Dyal, Resident of House No. 545, Sector 10, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2108 situated in Sector 35-C, Chandigarh.,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 679 of December, 1976 of the Registering Officer Chandigarh.)

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 28th June 1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1977

Ref. No. CHD/79/76-77.—Whereas, I, E. K. KOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

SCF. No. 9, Sector 27-C, Chandigarh situated at Sector 27-C, Chandigarh

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. S. Sawhney S/o Shri D. R. Sawhney R/o Khushniketan, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

Shri Ram Saran Dass
 S/o Shri Dal Chand
 Mrs. Promila Bhateja
 W/o Shri Ram Saran Dass
 Resident of House No. 212 Sector 18-A,
 Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 9, Sector 27-C, Chandigarh. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1375 of February 1977 of the Registering Officer Chandigarh.)

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 28th June 1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1977

Ref. No. CHD/82/76-77.—Whereas, I. E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and heaving

and bearing Plot No. 1302 Sector 34-C, Chandigarh,

situated at Sector 34-C, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Vidya Kaur W/o Late Shri Shiv Darshan Singh, C/o Shri Rattan Singh Advocate, House No. 61 Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Naginder Singh S/o Shri Kartar Singh, Resident of House No. 3063, Sector 20-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1302, Sector 34-C, Chandigarh. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1458 of February 1977 of the Registering Officer, Chandigarh.)

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 28th June 1977

Soal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mrs. Saroj Sachdeva Wd/o Shri Ramesh Sachdeva, Resident of B-4/272, Mohalla Bandian, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Shori Lal Kumar S/o Shri Kartar Chand, Resident of House No. 3415, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1977

Ref. No. CHD/84/76-77.—Whereas, I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1289, Sector 34-C, Chandigarh situated at Sector 34-C, Chandigarh,

(and more fully described in the Scheduls annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February 1977,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1289, Sector 34-C, Chandigarh. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1551 of February 1977 of the Registering Officer, Chandigarh.)

E. K. KOSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 28th June 1977

Scal:

1 .

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOMHOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th June 1977

Ref. No. Acq.23-I-1209(576)/1-1/76-77.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Final Plot No. 233, Sub-Plot No. 16 of T.P.S. No. 20 situated at Kochrab, Near H. L. College of Commerce, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 16-12-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jasbhai Umedbhai Patel, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ramjilal Tapasiram Bajaj, Near Cloth Market, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building standing on land admeasuring 250 sq. yds. bearing Final Plot No. 233 Sub-Plot No. 16 of T.P.S. No. 20 situated Kochrab, Near H. L. College of Commerce Navrangpura, Ahmedabad, described in the saledeed vide Registration No. 10194 dated 16-12-76, by Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 25th June. 1977

Scal;

9—156GI/77

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THA INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th June 1977

Ref. No. Acq.23-I-1209(577)/1-1/76-77.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Final Plot No. 233, Sub-Plot No. 16 of T.P.S. No. 20 situated at Kochrab, Near H. L. Commerce College, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-12-1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Jashbhai Umedbhai Patel, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor,

(2) Ishwarchand Murarilal Gupta, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building standing on land admeasuring 353 sq. yds., bearing Final Plot No. 233, Sub-Plot No. 16 of T.P.S. No. 20 of Kochrab Ahmedabad as described in the sale-deed vide Registration No. 1093/76 dated 16-12-1976 by the Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 25th June, 1977

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th June 1977

Ref. No. Acq.23-I-1275(578)/16-6/76-77.—Whereas, I. S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 405-B situated at Dr. Yagnik Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 20-1-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Labhshankar Vjeshankar Trivedi, "Samir", Dr. Yagnik Road, Rajkot.

(Transferor)

Shri Jaisukhlal Keshavlal Bakhada,
 Karan Para, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and "Jasdin" building bearing S. No. 405-B paiki Sanad form 'A' situated at Dr. Yagnik Road, admeasuring 305-50—0sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 149 in the month of january, 1977 by the Registering Officer, Rajkot.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 25th June, 1977

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th June 1977

Ref. No. Acq.23-I-1269(579)/11-1/76-77.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 371/1, outside Majewadi Gate, situated at Junagadh Rajkot Road, Junagadh

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Junagadh on 3-2-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sarlaben Ramniklal Parekh & others,
 Opp. Mahalaxmi Mandir, Junagadh.

(Transferor)

(2) Shri Pravinchandra Vallabhdas Shah & Another, Rethan Falia, Junagadh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 19602 sq yds. bearing Survey No. 371/1, outside Majewadi Gate and situated at Junagadh-Rajkot Highway Road, Junagadh.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 25th June, 1977

(1) Shri Bhagwandas Mangalji Raja, 244, Kalbadevi Road, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Amratlal Vallabhdas, Rajmahal Road, Veraval.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM

HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th June 1977

No. Acq. 23-I-1273(580)/11-6/76-77.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 10, Ward-2, Rajmahal Road, situated at Veraval, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Veraval, on 1-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections ,if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed building standing on land admeasuring 1000 sq. yds., bearing S. No. 10, Ward No. 2, situated at Rajmahal Road, Veraval.

S. C. PARJKH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380009

Date: 29th June, 1977

Scal:

(1) Shri Natwarlal Govindbhai and others, Havaldar's Sheri, Botad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Murlidhar Co-op. Housing Society, through Shri Maganlal Ukabhai Patel, Botad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE: ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 29th June 1977

No. Acq. 23-I-1232(581)/5-2/76-77.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Survey No. 680/2, plot No. 1215, situated at Paliad Road, Botad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Botad on 11-11-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 7045 sq. yds. bearing S. No. 680/2, Plot No. 1215, situated on Paliad Road, Botad, Distt: Bhavnagar.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 29th June, 1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd June 1977

Ref. No. 578/Acq/G. Bd/76-77.—Whereas I, R. P. BHARGAVA.

being the competent Authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Jai Prakash, Iswar and Gairaj sons of Ratan Lal, Resident of Village Sara, P.o. Khas Parg, Jalalabad, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Ramesh Chand, Shriom and Baleshwar sons of Shri Dulichand, R/o Vill. Sara, P.O. Khas Parg. Jalahabad, Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural Lino Measuring Five Bigha Nineteen Biswa and nine Biswansi Bearing Khasra No. 417, Village Sara, Parg. Jalalabad, Distt. Ghazibad, Transferred for an Apparent Consideration of Rs. 20.612/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

date: 22.6.1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd June 1977

Fef. No. 2/Acq/G.Bad/76-77.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per schedulee situated at AS PER SCHEDULE 1908) in the office of the ARegistraing Officer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at at Ghaziabad on 25.11.76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Mustaq son of Meerdad, R/o Vill. Tyodi-Sat Biswa, Post. Tyodi Terah Biswa, Parg. Jalalabad, Distt. Ghaziabad.

(Transferors)

 S/Shri Aabeed Rasan and Abdul Wahid, Sons of Shri Mohd. Yaqub, R/o Vill. Tyedi Sat Parg. Jalalabad, P.O. Tyodi Terah Biswa, Ghaziabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring five Bigha comprised in Kata No. 226, situated at Vill. Tyodi Sat Biswa, Parg. Jalalabad, Distt. Ghaziabad., Transferred for an apparent consideration of Rs. 31,500/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 22.6.1977

I-ORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) S/Shri Smt. Krishnawati W/O Shri Mangat Resident of Village: Khindora, P.O. Khas, Parg Jalalabad, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

 S/Shri Gangadas and Harsharan Sharma Sons of Shri Sher Singh Resident of Mathur, P.O. Tholari, Parg. Jalalabad, Distt. Ghaziabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd June 1977

Ref. No. 4/Ghaziabad/76-77.—Whereas I, R. P. BHARGAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income_tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad on 23.11.76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

156GI/77

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable Property Consisting of Agricultural Land Measuring 12 Bigha, 17 Biswa and 13 Biswansi comprised in chak No. 67. Situated at Village Mandola, Parg, Loni, Distt. Ghaziabad, Transferred for an Apparent Consideration of Rs. 85,000/-.

R. P. BHARGAVA, Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 22.6.1977

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th June 1977

No. Ref. No. 518/Acq/Mccrut/76-77.—Whereas I, R. P. BHARGAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 5.10.1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Charan Das S/o Ganda Ram, R/o Devpuri, Meerut, Mukhtaraam, Shri Ram Saran S/o Sagwa Singh, R/o Thatherwada, Meerut.

(Transferor)

2. S/Shri Smt. Krishna Rani W/o Baldeo Raj R/o Topachiwada, Mecrut. Sohan Lal S/o Charan Das Handia, R/o Muzaffarnagar, Smt. Kaushalya W/o Ram Das, R/o Beripura, Muzaffarnagar, Smt. Swarna Lata W/o Bharat Bhushan, Harisingh Nalwa Street, Delhi, and Smt. Suman W/o N. R. Sachdeva, Baghpat, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable Property Consisting of Land Measuring 1 Bigha, 13 Biswa Comprised in Khasra No. 1580, Situated at Madhuban Colony, Baghaat Road, Meerut, Transferred for an Apparent Consderation of Rs. 1,35,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 25.6.1977

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-I (110001)

New Delhi, the 28th June 1977

Ref. No. IAO/Acq.1/SRIII/1168/Oct-II(5)/76-77/.—Whereas, I. J. S. GILL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S-185 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-10-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Navraj Kwatra s/o S. Pritam Singh Kwatra r/o K-25, Hauz Khas Enclave, New Delhi and Mrs. Kandla Kanwal r/o R-25, Hauz Khas, New Delhi, through Attorney Navraj Kwatra,

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Vati Sawhney w/o Late Shri Raghbir Sawhney r/o S-185, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A built house on a free-hold plot of land bearing No. S-185, measuring 140 sq. yds. situated at Grenter Kailash-II, New Delhi.

J. S. GJLL

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Date: 28-6-1977

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

COMBINED LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1977

New Delhi-110011, the 16th July 1977

No. F.9/7/76-E.I(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F.9/7/76-E.I.(B), dated 9th October, 1976, published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 9th October, 1976, the following amendments shall be made:—

(i) Para I of the Notice should read as under :--

"A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for the Section Officers' Grade and Stenographers' Grade I/Grade B of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission commencing on 24th November, 1977 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated 9th October 1976 as amended by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) Notification published in the Gazette of India dated 16th July, 1977 enhancing the upper age limit in Rule 3(a) from 45 years to 50 years.

THE CENTRES AND THE DATE OF COM-MENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II para 9)."

(ii) For the words and figures "31st October 1977" occurring in line 11 in N.B. below para 3 of the

Notice the words and figures "15th June, 1978" shall be substituted.

(iii) Under para 5 of the Notice the following sub-para shall be added.

"Applications from candidates, who are above 45 years but below 50 years and who have become eligible in terms of amendments to the Rules for the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1977, notified vide Department of Personnel and Administrative Reforms Notification No. 5/38/76-CS(1) dated 16th July, 1977 will be accepted upto the 22nd August, 1977 (5th September, 1977 from those residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep)".

"N.B. 1.—Candidates upto the age of 45 years as on 1-1-1977, who have already submitted their applications need not apply again."

"N.B. 2.—Fresh applications from candidates upto the age of 45 years as on 1-1-1977 will not be entertained."

(iv) Under para 2(ii) of Λnnexure II to the Notice, the following proviso shall be added after sub-para 3.

"Provided that candidate who has become eligible in terms of the Department of Personnel and Administrative Reforms Notification No. 5/38/76-CS(I) dated 16th July, 1977 and who is residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission by required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 22nd August, 1977."

(v) The word and figure "SEPTEMBER, 1977" occurring in lines 15 and 16 of NOTE below para 3 of Annexure II to the Notice, the word and figure "MAY, 1978" shall be substituted.

R. S. COELA, Deputy Secretary, Union Public Service Commission.